www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 306 || अम्बेडकरनगर
रविवार
01 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:52
सूर्यास्तः 05:47
अधिकतमः 23°00
न्यूनतमः 12°00

पेज 07

विशेष समाचार | सालिसिटर जनरल की चुप्पी?,.. >> पेज 04 | 3000 खाने के बिल के ... >> पेज 06 | 51 साल की हुई प्रीति जिंटा...

महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम, 12 मिनट का शपथ ग्रहण, शरद पवार नहीं पहुंचे

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा बनीं उपमुख्यमंत्री

शपथ

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई/बारामती। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे।

इससे पहले दिन में NCP विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी।>> (शेष 06 पर)

सुनेत्रा ने राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दिया

डिप्टी सीएम की शपथ लेने से पहले सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया। सुनेत्रा 18 जून 2024 को राज्यसभा सांसद बनीं थीं।

यह इस्तीफा इसलिए जरूरी है क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 190(1) के तहत कोई भी व्यक्ति एक साथ केंद्र की संसद (राज्यसभा) और राज्य सरकार में मंत्री नहीं रह सकता। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने कहा, सुनेत्रा पवार को NCP विधायक दल का नेता चुना गया है। अब हम मुख्यमंत्री से मिलेंगे, सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम बनेंगी।

संजय निरुपम ने कहा- एनसीपी के फैसलों का सम्मान करना चाहिए

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कहा,'यह एनसीपी का आंतरिक मामला है। सभी विधायकों और एनसीपी नेतृत्व का मानना था कि अजित दादा के निधन से खाली पद को तुरंत भरा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि इस विचार का सम्मान किया जाना चाहिए और इस पर अनावश्यक विवाद नहीं होना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

महाराष्ट्र के लोकभवन में पिछली बार 5 दिसंबर 2024 को शपथ ग्रहण समारोह हुआ था, जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शपथ ली थी। अब इसी लोकभवन में 13 महीने 26 दिन बाद अजित की पत्नी सुनेत्रा का शपथ ग्रहण हो रहा है। एनसीपी के सभी विधायकों को शाम 4:30 बजे राजभवन के लोकभवन में बुलाया गया है। यहीं पर सुनेत्रा पवार शाम 5 बजे डिप्टी चीफ मिनिस्टर के तौर पर शपथ लेंगी। इस मौके पर सुनेत्रा पवार के परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे।

पीएम मोदी ने बधाई दी

पीएम ने X पर लिखा, सुनेत्रा पवार जी को महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू करने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वह इस जिम्मेदारी को संभालने वाली पहली महिला हैं। मुझे विश्वास है कि वह राज्य के लोगों की भलाई के लिए काम करेंगी और स्वर्गीय अजित दादा के विजन को पूरा करेंगी।

महाराष्ट्र में एनसीपी के 40 विधायक

कुल सीटें: 288

विधानसभा चुनाव रिजल्ट 2024

पार्टी	सीट	पार्टी	सीट
बीजेपी	132	एनसीपी (शरद पवार गुट)	10
शिवसेना	57	जन सुराज्य शक्ति	2
एनसीपी (अजित गुट)	41	समाजवादी पार्टी	2
शिव सेना	20	एआईएमआईएम	1
कांग्रेस	16	अन्य	7

- 2024 में हुए विधानसभा में महायुति ने 230 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था
- अजित पवार की पार्टी एनसीपी 59 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, इनमें से 41 पर जीत मिली थी
- अजित पवार बारामती सीट से विधायक चुने गए थे, उनके निधन के बाद यह सीट खाली हो गई है

सीतारमण 75 साल की बजट परंपरा बदलेंगी

नई दिल्ली । एक फरवरी को संसद में पेश किए जाने वाले बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 75 साल पुरानी परंपरा को तोड़ सकती हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस बार अपने बजट भाषण के भाग-बी (Part B) में भारत की इकोनॉमी के भविष्य को लेकर विस्तृत विजन पेश कर सकती हैं। अब तक के केंद्रीय बजटों में अधिकांश अहम बातें भाग-ए (Part A) में होती थीं जबकि भाग-बी आमतौर पर टैक्स और नीतिगत घोषणाओं तक सीमित रहता था। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस बार के बजट के भाग-बी में सरकार की शॉर्ट टर्म प्रायोरिटीज और लॉन्ग टर्म के टारगेट दोनों को सामने रखा जा सकता है। इसमें 21वीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे भारत की लोकल स्ट्रेंग्थ और ग्लोबल एंबीशंस पर जोर दिया जाएगा।

अजित चाहते थे कि दोनों एनसीपी एक हों : शरद पवार

सब कुछ तय था, 12 फरवरी को ऐलान होना था

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर शरद पवार ने शनिवार को कहा, 'यह अजित पवार की भी इच्छा थी। इसे जरूर पूरा होना चाहिए।' शरद ने कहा कि अजित, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के विलय के बारे में बातचीत शुरू की थी।

उन्होंने बताया कि 12 फरवरी को विलय का ऐलान होना था लेकिन दुर्भाग्य से, अजित उससे पहले हमें छोड़कर चले गए।

सूत्रों के मुताबिक अजित ने 17 जनवरी को बारामती में शरद पवार से मुलाकात की थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि

विलय पर चर्चा हुई थी। इस मीटिंग का वीडियो भी सामने आया है। इस मुलाकात के 11 दिन बाद अजित की प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी।

अजित के निधन के बाद राजनीतिक हलचल तेज होने पर शरद ने कहा- ये सारी चर्चाएं यहां बारामती में नहीं हो रही हैं, ये मुंबई में हो रही हैं। प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और दूसरे सीनियर नेता ये चर्चाएं कर रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

उत्तराखंड के कालापानी में पारा माइनस 35 डिग्री

सर्दी ऐसी कि आंखों में पानी जम रहा, यूपी में कोहरे में 11 गाड़ियां टकराईं

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ । देश के उत्तरी इलाकों में एक बार फिर सर्दी लौट आई है। सुबह राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल के कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। उत्तर प्रदेश के 4 जिलों, मध्य प्रदेश के 5 जिलों, पंजाब के 4 जिलों, हरियाणा के 3 जिलों और राजस्थान, बिहार के एक-एक जिले

में, साथ ही दिल्ली में शनिवार सुबह का तापमान 4 से 8 डिग्री के बीच रहा।

हालांकि जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में आज भी बर्फबारी हुई। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भारत, नेपाल, चीन बॉर्डर के पास तापमान माइनस 35 रहा है। >> (शेष पेज 06 पर)

इधर यूपी के लखनऊ, कानपुर, आगरा, बरेली, गाजियाबाद समेत 30 जिले घने कोहरे की चपेट में हैं। कई जिलों में विजिबिलिटी 10 मीटर तक सिमट गई है। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सुबह 6 बजे नंगली गेट के पास 11 गाड़ियां टकराईं। कोहरे की वजह से 4 पिकअप, 5 कार और 2 ट्रक आपस में टकरा गए।

फास्ट न्यूज

उत्तराखंड को केंद्र के बजट से राहत

देहरादून/ हल्द्वानी। रविवार यानी कल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन दिल्ली में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करेंगी। इस बजट से उत्तराखंड को खास उम्मीदें इसलिए हैं, क्योंकि 2027 में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले सरकार विकास की रफ्तार को और तेज करना चाहती है।

सूचना | जांच

पीएम मोदी के पंजाब दौरे से पहले ब्लास्ट की धमकी

जालंधर । PM नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से एक दिन पहले (31 जनवरी को) जालंधर के 4 स्कूलों में बम ब्लास्ट की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही थाना-7 अर्बन एस्टेट पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हो गईं और सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने कहा कि पहले कैंब्रिज स्कूल को धमकी मिली थी। अब 3 और स्कूल- पठानकोट चौक के पास स्थित केएमवी संस्कृति स्कूल, ब्रिटिश ओलिवा स्कूल और सीजेएस पब्लिक स्कूल को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। हालांकि जांच के इस दौरान कुछ नहीं मिला है।

आरएसएस के सह-क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख बने हितानंद शर्मा

भोपाल । मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की आरएसएस में वापसी हो गई है। अब वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में मध्य क्षेत्र सह-बौद्धिक प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनका केंद्र जबलपुर रहेगा। हितानंद के साथ आरएस-एस के तीन अन्य प्रचारकों की भूमिका बदली गई है।

लड्डू मामले में क्लीन चिट नहीं दी : तिरुपति मंदिर

एसआईटी चार्जशीट में घी में मिलावट के सबूत, सीबीआई रिपोर्ट में चर्बी की पुष्टि नहीं

आरोप

- नायडू बोले- कंपनी के पास क्षमता नहीं थी फिर भी टेंडर दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

तिरुपति । तिरुपति मंदिर के लड्डू में मिलावट के मामले में मंदिर के बोर्ड तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा का उसने किसी को भी क्लीनचिट नहीं दी है।

बोर्ड के चेयरमैन बीआर नायडू ने शुक्रवार को तिरुपति में पद्मावती

रेस्ट हाउस में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि SIT की चार्जशीट में श्रीवारी लड्डू बनाने में मिलावटी घी की मौजूदगी साफ तौर पर साबित हुई है। उन्होंने कहा कि कुछ समूह झूठा दावा करके भक्तों को गुमराह कर रहे हैं कि इस मामले में क्लीन चिट दे दी गई है। दरअसल, सीबीआई ने फाइनल चार्जशीट में कहा है कि लड्डुओं में पशु चर्बी नहीं, मिलावटी घी का इस्तेमाल हुआ था। नेल्लोर कोर्ट में पेश चार्जशीट में कहा गया कि प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी में वनस्पति तेल, बीटा केरोटिन व एस्टर केमिकल की मिलावट पाई गई। उत्तराखंड के भगवानपुर की भोले बाबा डेयरी ने मिलावटी घी की सप्लाई की थी। >> (शेष पेज 06 पर)

जो रह जाएंगे उनको भाजपा का सीएम निकाल देगा, ये साल टीएमसी को टाटा

बंगाल में एसआईआर से घुसपैठिए बाहर होंगे : शाह

स्पीच

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में कहा कि, ममता सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। बंगाल के लोग TMC को उखाड़ फेकेंगे। इनकी विदाई का समय आ गया है। ममता जी को SIR का जितना विरोध करना हैं कर लें। मतदाता सूची से घुसपैठियों को निकालना ही पड़ेगा। जो बचे घुसपैठिये रह जाएंगे वो भाजपा का सीएम आकर निकाल देगा। साल 2026 TMC को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है।

साल 2026 TMC को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है। TMC तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गई है। जब मैं पहले आया था, तो मैंने कहा था कि पश्चिम बंगाल में भारी बहुमत से BJP की सरकार बनेगी। उस समय ममता बनर्जी मेरा मजाक

उड़ा रही थीं। लेकिन जब भगवान राम ने राम सेतु बनाया था, तो रावण ने भी इसी तरह उनका मजाक उड़ाया था। 2024 में तीन दशक के बाद पहली बार मोदी लगातार तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं। 24 में ही हमने आंध्र प्रदेश में सरकार बनाई। हमने ओडिशा में सरकार बनाई। अरुणाचल में तीसरी बार सरकार बनाई। 2025 में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में 30 साल के बाद सरकार बनाई और 25 का अंत आते-आते बिहार में भी प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा और एनडीए की सरकार बनी।

>> (शेष पेज 06 पर)

अमित शाह दो दिन के दौरे पर

अमित शाह दो दिन के पश्चिम बंगाल दौरे पर हैं। वे शुक्रवार रात कोलकाता पहुंचे थे। नॉर्थ परगना के बैरकपुर में रैली को संबोधित करने के बाद वे दोपहर 2 बजे बागडोगरा चले जाएंगे। जहां वह उत्तर बंगाल के पार्टी नेताओं के साथ एक संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे।

एक महीने के अंदर राज्य में शाह का दूसरा दौरा है। इससे पहले 30 और 31 दिसंबर को शाह कोलकाता गए थे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कुछ महीनों में होने वाले हैं।

फैसला : कहा था- सरकार का नमक खाया, योगी के सपोर्ट में नौकरी छोड़ी थी

अयोध्या के जीएसटी अफसर ने वापस लिया अपना इस्तीफा

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । यूपी में अयोध्या के GST डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने इस्तीफा वापस ले लिया है। 4 दिन बाद फैसले से पलटने वाले अफसर ने कहा- मेरे ऊपर किसी तरह का दबाव नहीं है। फिलहाल मैं, अपने दफ्तर में काम कर रहा हूं। उन्होंने 27 जनवरी की दोपहर योगी का सपोर्ट करते हुए इस्तीफा दिया था। अफसर ने प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य की टिप्पणी पर जवाब दिया था। कहा था- मैं योगी जी के बारे में एक शब्द नहीं सुन सकता। ठेला गाड़ी (पालकी) पर बैठकर

कोई मुख्यमंत्री को उल्टा सीधा नहीं कह सकता। वो हमारे अन्नदाता हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहिए। ये समाज में गलत माहौल बनाते हैं। प्रशांत कुमार सिंह का इस्तीफा देने के बाद पत्नी से फोन पर बात करते हुए एक वीडियो भी सामने आया था। इसमें उन्होंने रोते हुए पत्नी से कहा- मन बेहद व्यथित था।

अफसर बोले- मेरा भाई मुख्तार गैंग का सदस्य

प्रशांत कुमार सिंह ने भाई विश्वजीत सिंह पर गंभीर आपराधिक आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वजीत, मुख्तार अंसारी के मऊ गैंग का सक्रिय सदस्य है। वह उसका फाइनेंशियल एडवाइजर भी रहा है। उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्वजीत ने अपने माता-पिता के साथ मारपीट की, जिस मामले में एफआईआर दर्ज है।

कारोबारी का आरोप- अफसर ने 8 लाख की डिमांड की

GST डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह पर अयोध्या के कपड़ा कारोबारी लक्ष्मण दास ने गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि 2 अप्रैल को प्रशांत कुमार ने टीम के साथ दुकान पर आकर छापा मारा था। >> (शेष पेज 06 पर)

भाई का आरोप- प्रशांत ने नौकरी के लिए फर्जी सर्टिफिकेट बनवाया

प्रशांत कुमार सिंह के इस्तीफे के बाद भाई विश्वजीत ने आरोप लगाते हुए कहा था- प्रशांत को दिव्यांग कोटे से नौकरी मिली थी। उनका दिव्यांगता प्रमाण पत्र फर्जी है। इस शिकायत के बाद प्रमुख सचिव कामिनी रतन चौहान ने राज्यकर आयुक्त नितिन बंसल से रिपोर्ट तलब की है।

विश्वजीत ने अपनी बहन जया सिंह पर भी दिव्यांगता का फर्जी सर्टिफिकेट बनवाने का आरोप लगाया है। जया सिंह इस समय कुशीनगर के हाटा तहसील में तहसीलदार हैं। उन्होंने कहा- भाई के द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। मैं जांच के लिए तैयार हूं। यह आरोप पारिवारिक विवाद के कारण लगाए जा रहे।

कर्नाटक में प्रॉपर्टी के लिए मां-बाप और बहन का मर्डर

आरोपी ने 27 जनवरी को मर्डर किया था

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक के विजयनगर जिले में पुलिस ने शनिवार को 24 साल के युवक को माता-पिता और बहन की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने हत्या के बाद तीनों के शवों को कोट्टूर स्थित उनके किराए के घर में दफना दिया था। तिलकनगर थाने की पुलिस ने शव बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने बताया कि कोट्टूर निवासी आरोपी अक्षय कुमार ने 29 जनवरी को बेंगलुरु के तिलकनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उसके माता-पिता और बहन लापता हैं। इसके बाद खुद पुलिस के साथ

- बेटे ने शव घर में दफनाए, लापता बताकर पुलिस के साथ ढूंढने का नाटक किया

मिलकर उन्हें ढूंढने का नाटक करता रहा। जांच के दौरान आरोपी ने अलग-अलग बयान दिए, जिससे पुलिस को शक हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)

शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल: डॉ. शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय के दृष्टिबाधित छात्रों का विधानसभा भ्रमण

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने जाना लोकतंत्र का जीवंत स्वरूप

भ्रमण

- स्पर्श से सीखी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विधानसभा में विशेष शैक्षिक अनुभव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर ठोस एवं संवेदनशील प्रयास कर रही है। इसी क्रम में डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षिक भ्रमण किया। इस शैक्षिक भ्रमण में विश्वविद्यालय के ईएमईटी पाठ्यक्रम के दृष्टिबाधित अभ्यर्थी, उनके प्रशिक्षक, स्वयंसेवक तथा हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन के समन्वयक डॉ. विजय शंकर शर्मा सम्मिलित रहे। विद्यार्थियों को विधानसभा में प्रयुक्त आधुनिक डिजिटल प्रणाली के बारे में भी अवगत कराया गया। प्रत्येक सदस्य की सीट पर लगे डिजिटल पैनल, हेडफोन एवं डेस्क के माध्यम से प्रश्न पूछने, मतदान करने और सदन की कार्यवाही संचालित होने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया।

एटीबीएफ के सहयोग से आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रिया एवं शासन व्यवस्था की प्रत्यक्ष एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का किया शैक्षिक भ्रमण

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, कानून निर्माण की प्रक्रिया, सदन में चर्चा एवं निर्णय लेने की प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विधानसभा भवन की फोटो गैलरी के माध्यम से उन्हें प्रदेश के पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों, ऐतिहासिक घटनाओं और लोकतांत्रिक परंपराओं से अवगत कराया गया।

विधानसभा का विशेष स्पर्शनीय मॉडल प्रदर्शित किया गया

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा का विशेष स्पर्शनीय (टैक्टाइल) मॉडल प्रदर्शित किया गया, जिससे विद्यार्थियों ने स्पर्श के माध्यम से विधानसभा भवन की संरचना, आकार और आंतरिक व्यवस्था को समझा। इसके पश्चात विधानसभा कक्ष का भ्रमण कराते हुए सत्तापक्ष, विपक्ष, मीडिया दीर्घा, अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था तथा अध्यक्ष (स्पीकर) की भूमिका और सदन संचालन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का शुभारंभ

2.5 लाख लोगों को मिलेगा निःशुल्क इलाज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भारत-नेपाल सीमा से सटे थारू बहुल एवं सीमांत क्षेत्रों तक आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का औपचारिक शुभारंभ कर दिया गया है। शनिवार को लखनऊ के विश्व संवाद केंद्र, जियामऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी घोषणा की गई। इस वर्ष यात्रा के माध्यम से 2.5 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रो. एमएलबी भट्ट तथा नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) के प्रांत अध्यक्ष डॉ. संदीप तिवारी ने बताया कि यह यात्रा केवल स्वास्थ्य शिविर तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा, समर्पण और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का अभियान है। इसका उद्देश्य उन दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है, जहां आज भी बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। यात्रा का ध्येय वाक्य है—"जहां राह नहीं, वहां हम पहुंचेंगे; जहां चिकित्सा नहीं, वहां स्वास्थ्य सेवा पहुंचाएंगे।"इस अभियान का संचालन नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन अवध एवं गोरक्ष प्रांत तथा श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। इसमें KGMU, AIIMS, SGPGI, BHU सहित देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों से लगभग 1000 विशेषज्ञ चिकित्सक, डॉक्टर एवं मेडिकल छात्र भाग लेंगे। कार्यक्रम के तहत 6 और 7 फरवरी 2026 को लगभग 300 केंद्रों पर ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनसे 1500 से अधिक गांवों को कवर किया जाएगा। 8 फरवरी 2026 को संबंधित जिलों में विशाल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें निःशुल्क जांच, दवा वितरण और विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

फास्ट न्यूज

कॉमन इनक्यूबेशन सेंटरों का उद्घाटन

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य 01 फरवरी को मंझनपुर कौशाम्बी मे, अयोध्या, बरेली, कौशाम्बी,एवं सहारनपुर के कॉमन इनक्यूवेशन सेण्टर्स उद्घाटन किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने के लिए अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी एल मीना ने सम्बन्धित अधिकारियों की व्यापक दिशा निर्देश दिये हैं।

पत्नी से तलाक के 2-साल बाद युवक ने सुसाइड किया

बख्शी का तालाब । लखनऊ के इटौंजा थाना क्षेत्र के ढीलवासी गांव में शनिवार सुबह करीब 8 बजे एक 25 साल युवक का शव आम के पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान बबलू के रूप में हुई है, जो ऑटो चलाता था। वह शुक्रवार रात से लापता था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे ग्रामीणों ने आम के बाग में उसका शव पेड़ से लटका देखा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक युवक शादीशुदा था और दो साल पहले उसका तलाक हो चुका था।

बंथरा में बाइक सवार ने बुजुर्ग को टक्कर मारी

सरोजनी नगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात साइकिल और बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि बाइक सवार युवक घायल हो गया। पुलिस ने बुजुर्ग के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, उन्नाव जिले के हसनगंज स्थित बिशन खेड़ा निवासी बाबूलाल (65) शुक्रवार रात करीब 8 बजे शेखूपुर स्थित अपने खेत से काम कर साइकिल से बनी-मोहन रोड होते हुए घर लौट रहे थे।

सेवानिवृत्त एयरफोर्स अफसर को बदमाशों ने मारी गोली

पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी में बेखौफ बदमाशों का कहर थम नहीं रहा है। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र निवासी 61 वर्षीय रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी अवधेश कुमार पाठक के रेस्टोरेंट में शुक्रवार देर रात बदमाशों ने धावा बोल दिया। रिटायर्ड फौजी जब-तक कुछ समझ पाते कि असलहों से लैस हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर उन्हें गोली मारकर जख्मी कर दिया। गोली लगते ही वह फर्श पर गिर पड़े। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे कि इससे पहले बदमाश असलहा लहराते हुए मौके से भाग निकले। गोली चलने की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल सहित कई पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल फौजी को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल के मुताबिक पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश में पुलिस की टीमें लगा दी गई है। वहीं पुलिस पुरानी रंजिश सहित कई बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में रहने वाले सेवानिवृत्त एयरफोर्स अधिकारी 61 वर्षीय अवधेश कुमार पाठक शॉपिंग स्क्वायर के नाम से रेस्टोरेंट चलाते हैं। बताया जा रहा है कि रोज की तरह वह शुक्रवार रात रेस्टोरेंट में बैठे थे कि तभी असलहों से लैस बदमाशों ने धावा बोल दिया और ताबड़तोड़ फायरिंग झोंकनी शुरू कर दी।

- पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल के मुताबिक अवधेश कुमार पाठक की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर हमलावरों की तलाश में पुलिस की टीमें लगा दी गई हैं।
- उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि जल्द ही बदमाश सलाखों के पीछे होंगे। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल का यह भी कहना है कि इस मामले में पुरानी रंजिश सहित कई बिंदुओं पर गहनता से छानबीन की जा रही है।

विधानसभा पहुंचा छात्र-छात्राओं तथा अध्यापक-अध्यापिकाओं का दल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत मदर टेरेसा हायर सेकेंडरी स्कूल, कानपुर के 25 छात्र-छात्राओं तथा अध्यापक-अध्यापिकाओं का एक दल आज उत्तर प्रदेश विधानसभा के भ्रमण पर लखनऊ पहुंचा। इस अवसर पर दल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी से शिष्टाचार भेंट की।

विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी ने छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें उत्तर प्रदेश विधानसभा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संरचना, कार्यप्रणाली और विधायी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है, जहां जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं, नीतियों और विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लेते हैं। श्री महाना ने छात्रों को सदन की कार्यवाही, प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयक प्रस्तुत करने की प्रक्रिया तथा समितियों की भूमिका के बारे में सरल और रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जागरूक नागरिकों पर निर्भर करती है और विद्यार्थी वर्ग देश का भविष्य है।

विधानसभा अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं से अनुशासन, संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने इस शैक्षिक भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी बताया।

> इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका श्री महाना ने सहजता से उत्तर दिया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने विधानसभा भवन की भव्यता और कार्यशैली को नजदीक से देखा, जिससे उनके ज्ञान और अनुभव में वृद्धि हुई।

यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा

22 फरवरी को लगेगा मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं माननीय कार्यपालक अध्यक्ष/वरिष्ठ न्यायमूर्ति, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार दिनांक 22 फरवरी 2026 को जनपद लखनऊ में मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव श्री जीवक कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त शिविर का आयोजन माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ श्री मलखान सिंह के कुशल निर्देशन में सुनिश्चित किया गया है। शिविर का उद्देश्य समाज के निर्बल एवं वंचित वर्गों को विधिक सहायता के साथ-साथ विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के नोडल अधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार द्विवेदी, विशेष न्यायाधीश, सीबीआई सेंट्रल, लखनऊ ने बताया कि इस शिविर के माध्यम से दिव्यांगजन, महिलाएं, बच्चे, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ा जाएगा। शिविर में विधिक परामर्श, निःशुल्क कानूनी सहायता, लोक अदालत से संबंधित जानकारी तथा अन्य आवश्यक सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

> जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव श्री जीवक कुमार सिंह ने जनपद के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे दिनांक 22 फरवरी 2026 को आयोजित मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर उपलब्ध सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उठाएं, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय एवं विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

जनभवन में प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी की जाएगी आयोजित

प्रदर्शनी हेतु विभिन्न उद्यानों एवं गृहवाटिकाओं की जजिंग प्रक्रिया प्रारम्भ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । जनभवन प्रांगण, लखनऊ में आयोजित की जा रही 6 से 8 फरवरी तक तीन दिवसीय प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी–2026 के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के उद्यानों एवं गृहवाटिकाओं की प्रतियोगिता हेतु जजिंग कार्य का शुभारम्भ 31 जनवरी 2026 को किया गया, जो 01 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा।

निदेशक उद्यान श्री बीपी राम ने बताया कि इस वर्ष जनपद लखनऊ से विभिन्न श्रेणियों में कुल 243 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। प्रतियोगिता में शासकीय, अर्धशासकीय, संस्थागत एवं व्यक्तिगत स्तर पर विकसित उद्यानों और गृहवाटिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की है।

प्रदर्शनी के अंतर्गत उद्यान विभाग, भारतीय सेना, रेलवे, पीएसी मुख्यालय, मेट्रो रेल कॉरपोरेशन, नगर निगम, लखनऊ विकास प्राधिकरण, आवास एवं विकास परिषद, एसजीपीजीआई, आरडीएसओ, आईआरटीएम, जन भवन सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के उद्यानों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही व्यक्तिगत उद्यान प्रेमियों द्वारा विकसित गृहवाटिकाओं ने भी प्रतियोगिता में विशेष आकर्षण उत्पन्न किया है।

इसके अतिरिक्त, शहर के ऐतिहासिक एवं विरासत स्थलों जैसे बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, सहादत अली ख़ां का मकबरा आदि के उद्यानों को भी प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में सम्मिलित किया गया है, जिससे प्रदर्शनी को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गरिमा प्राप्त हुई है। प्रतियोगिता में प्राप्त सभी प्रविष्टियों का मूल्यांकन भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश के औद्यानिकी से संबंधित प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों, साथ ही प्रदेश उद्यान विभाग में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त विषय विशेषज्ञों से गठित निर्णायक मंडलों द्वारा किया जा रहा है। जजिंग के दौरान पौधों की गुणवत्ता, सौंदर्य, नवाचार, रख-रखाव एवं पर्यावरणीय संतुलन जैसे मापदंडों को विशेष रूप से ध्यान में रखा जा रहा है।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 के तहत होगा लंबित मामलों का निस्तारण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव श्री जीवक कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 का संचालन किया जा रहा है। यह अभियान 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से कराना है, जिससे न्याय प्रक्रिया को सुलभ, समयबद्ध एवं जनहितकारी बनाया जा सके।

श्री जीवक कुमार सिंह ने बताया कि माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में तथा जनपद स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षा एवं माननीय जनपद न्यायाधीश श्री मलखान सिंह के कुशल मार्गदर्शन में जनपद लखनऊ के समस्त न्यायालयों में इस अभियान को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिला न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, उपभोक्ता फोरम, भूमि अर्जन एवं भूमि अधिग्रहण पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण सहित विभिन्न न्यायिक मंचों पर लंबित मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारित किया जाएगा।

अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, पारिवारिक मामले, मोटर दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा से संबंधित प्रकरण, चेक बाउंस, वाणिज्यिक एवं सेवा विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले, शमनीय आपराधिक प्रकरण तथा अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों एवं लंबित प्रार्थना पत्रों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराया जा सकेगा।

मुकदमा : रिटायर्ड कर्नल से 23.10 लाख, कारोबारी से 87.49 लाख रुपए इंवेस्ट कराए

ट्रेडिंग के नाम पर 1.28 करोड़ की ठगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में साइबर जालसाजों ने चार लोगों से ट्रेडिंग में निवेश कराकर 1.28 करोड़ की ठगी कर ली। व्हाट्सऐप और टेलीग्राम ग्रुप बनाकर जोड़ा। इसके बाद रुपए निवेश कराकर ब्लॉक कर दिया। पीड़ितों की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। एमआई रसल कोर्ट गोमतीनगर विस्तार कर्नल सूरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया- 16 दिसम्बर 2025 उन्हें व्हाट्सऐप ग्रुप से जोड़ा गया। जिसमें करीब 125 से ज्यादा लोग थे। ग्रुप को चलाने वाले राकेश कुमार जैन ने खुद को एमडी एंड हेड ऑफ रिस्क एंड कम्प्लायंस ऑफ स्टॉक बताया। ग्रुप में जुड़े अन्य लोगों ने कम पैसे लगाकर अधिक मुनाफा देने का लालच दिया। इस तरह कई बार में 23.10 लाख रुपए अलग-अलग अकाउंट में जमा करा लिया गया। पैसा वापस मांगने पर ब्लॉक कर दिया गया। ट्रेडिंग में मोटा मुनाफे का लालच दिया। इसके बाद एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। जिसमें 100 लोग मौजूद थे। उसकी बातों में आकर 75 हजार से ट्रेडिंग शुरू कर दी। इस तरह से 87 लाख 59 हजार रुपए निवेश कर दिए। जिसका प्रॉफिट 28 लाख 91 हजार दिखाने लगा। कुल 1 करोड़ 15 लाख था।

एमआई रसल कोर्ट गोमतीनगर विस्तार कर्नल सूरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया- 16 दिसम्बर 2025 उन्हें व्हाट्सऐप ग्रुप से जोड़ा गया।

पहले मुनाफा दिया फिर ठग लिया

विराटखंड गोमतीनगर निवासी विशाल ओझा ने बताया- 26 सितंबर को यशवन्त नामक व्यक्ति का फोन आया और ट्रेडिंग के सम्बन्ध में बातचीत हुई। ट्रेड शुरू करने के बाद यशवन्त ने 20 प्रतिशत कमीशन की माँग की। ट्रेड में घाटा होने की वजह से उसके साथ काम करने को मना कर दिया। इसके बाद 11 नवंबर को एक लड़की सानिका गोखले ने कॉल करके अपनी कम्पनी के साथ काम करने का प्रलोभन दिया।

शेयर ट्रेडिंग में महिला को ठगा

सेक्टर- सी अलीगंज निवासी ज्योति त्रिपाठी ने बताया- 8 सितंबर 2025 को अज्ञात नंबर से कॉल आए। कॉल करने वाले खुद को आईआईएफएल के शेयर बाजार विश्लेषक बताकर फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस में पोजीशन लेने की सलाह दी। फोन पर उनकी सलाह के अनुसार मैंने ट्रेड किए। जिसमें कुछ प्रॉफिट और लॉस हुआ। इसके बाद अन्य ट्रेड के बारे में बताया और 20 से 50 हजार निवेश कराए। इसके बाद और पैसे का दबाव बनाकर 6.55 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए।

टैक्स ऑडिट विंग के अधिकारियों के क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आयुक्त, राज्य कर डा० नितिन ने राज्य कर प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, लखनऊ के कौटिल्य सभागार में आज टैक्स ऑडिट विंग के अधिकारियों के क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का समापन किया। राज्य कर विभाग की ओर से की गयी नयी पहल में प्रदेश के टैक्स ऑडिट में तैनात सभी संयुक्त आयुक्त एवं उपायुक्त सम्मिलित हुए। इस अवसर पर आयुक्त महोदय ने टैक्स ऑडिट अधिकारियों को कर निर्धारण एवं टैक्स ऑडिट में अन्तर समझते हुए गुणात्मक टैक्स ऑडिट किये जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी के समय में टैक्स ऑडिट की कार्यवाही को और बेहतर बनाया जा सकता है, किन्तु इस कार्यवाही से पूर्व संबंधित बिजनेस की कार्य प्रणाली को पूर्ण रूप से समझने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस दो दिवसीय क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए अधिकारी फील्ड में जाकर इस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी एवं अनुभवों को विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ साझा करें ताकि कार्यक्रम का लाभ विभाग को व्यापक रूप से प्राप्त हो सके। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में केन्द्रीय जी०एस०टी० के प्रशिक्षण संस्थान नासिन की ओर से मास्टर ट्रेनर के रूप में श्री विकास अस्थाना एवं श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित अधिकारियों को केन्द्रीय जी०एस०टी० द्वारा टैक्स ऑडिट में अपनाये जाने वाली शैलियों एवं विधाओं से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त उ०प्र० राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान की ओर से श्रीमती पलक अनेजा द्वारा टैक्स ऑडिट में डिजिटल फोरेंसिक विषय पर प्रकाश डालते हुए इसकी अवधारणाओं एवं उपयोग पर प्रशिक्षित किया गया।

- आधुनिक तकनीकी के समय में टैक्स ऑडिट की कार्यवाही को और बेहतर बनाया जा सकता है -आयुक्त राज्य कर

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन

संदेश

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम, सुरक्षित यातायात का दिया गया संदेश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन अवसर पर शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद और मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला द्वारा दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। इस दौरान सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी, क्षेत्राधिकारी यातायात सहित परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की कि वे सड़क पर निकलते समय सुरक्षा

नियमों का पालन करें और हेलमेट व सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करें।

मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान परिवहन और यातायात विभाग द्वारा स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

कार्यक्रम में उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी और क्षेत्राधिकारी यातायात ने भी वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हेलमेट, लाइसेंस, वाहन के कागजात और गति सीमा का पालन करना न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि स्वयं की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन पर उपस्थित लोगों से सुरक्षित यातायात का संकल्प दिलाया गया। अधिकारियों ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक नियमों का पालन करे तो सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम का समापन सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश के साथ किया गया।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन का संदेश

हेलमेट वितरण के दौरान जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु और गंभीर चोटों का एक बड़ा कारण सुरक्षा नियमों की अनदेखी है। हेलमेट का उपयोग करने से सिर में गंभीर चोट से बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल चालान या कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति सजग करना है।

वाहन चालकों को वितरित किए गए हेलमेट

जनप्रतिनिधि ने की नियमों के पालन की अपील

कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अक्सर जल्दबाजी और लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं होती हैं, जिनका खामियाजा पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। हेलमेट पहनना दोपहिया वाहन चालकों के लिए अनिवार्य है और इसका पालन सभी को स्वेच्छा से करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से लें।

तहसीलदार और रिटायर्ड अधिकारी में नोकझोंक के बाद पहुंची पुलिस

कहासुनी के बाद बढ़ा तनाव, कोतवाली में जुटे लोग, तहरीर को लेकर चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । टांडा तहसील शनिवार को उस समय विवाद का केंद्र बन गई, जब तहसीलदार निखिलेश सिंह और रिटायर्ड तहसीलदार अभिमन्यु वर्मा के बीच कथित रूप से तीखी नोकझोंक हो गई। मामला बढ़ने पर तहसीलदार द्वारा पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार रिटायर्ड तहसीलदार अभिमन्यु वर्मा किसी निजी कार्य से टांडा तहसील पहुंचे थे और तहसीलदार निखिलेश सिंह से मुलाकात कर रहे थे। बातचीत के दौरान किसी विषय को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आसपास मौजूद कर्मचारी और अधिवक्ता भी मौके पर एकत्र होने

पुलिस बुलाए जाने से बढ़ी हलचल

विवाद की स्थिति बिगड़ती देख तहसीलदार निखिलेश सिंह ने टांडा कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस तहसील परिसर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद रिटायर्ड तहसीलदार अभिमन्यु वर्मा को पुलिस अपने साथ कोतवाली ले गई। इस कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में कुछ समय के लिए कामकाज प्रभावित रहा।

लगे। घटना के बाद तहसील परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं के बीच भी नाराजगी देखी गई। अधिवक्ताओं का कहना है कि तहसील में कार्यप्रणाली को लेकर पहले से असंतोष की स्थिति बनी हुई है और यह घटनाक्रम उसी असंतोष का परिणाम है। अधिवक्ताओं ने प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए और स्थिति पर चर्चा की।

घटना की जानकारी फैलते ही टांडा कोतवाली परिसर में भी लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ समय तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। हालांकि पुलिस की मौजूदगी के चलते किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं बनी। पुलिस द्वारा दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया गया।

अंशिका वर्मा को गोल्ड, आकांक्षा को सिल्वर मेडल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्महाविद्यालयी ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। 30 जनवरी 2026 को अयोध्या स्थित रघुकुल महिला विद्यापीठ में आयोजित एक दिवसीय प्रतियोगिता में मन मार्शल आर्ट एंड स्पोर्ट्स क्लब, तमसा मार्ग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे तीन खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया और एक गोल्ड, एक सिल्वर तथा एक ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। प्रतियोगिता में अंबेडकरनगर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव मंगेश कुमार मन के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अंशिका वर्मा ने अंडर 52 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि के साथ ही अंशिका का चयन ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो गेम्स के लिए

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो गेम्स के लिए अंशिका का चयन

विश्वविद्यालय की टीम में कर लिया गया। अंशिका वर्मा की सगी बहन आकांक्षा वर्मा ने भी प्रतियोगिता में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए अंडर 62 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल किया। वहीं, तीसरे खिलाड़ी अभिषेक मौर्य ने पूमसे वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर टीम के खाते में एक और पदक जोड़ा।

अंशिका और आकांक्षा वर्मा ग्राम लालापुर, पोस्ट मनरेजपुर, टांडा की निवासी हैं। दोनों बहनें भानमती महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं।

बसखारी थाना क्षेत्र के रामडीह सराय गढ़ा की घटना, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

तालाब में मिला अधेड़ का शव, डूबने की आशंका

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। राम हरख परिवार के इकलौते कमाने वाले बताए जा रहे हैं। उनके परिवार में तीन पुत्रियां और दो पुत्र हैं। अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । बसखारी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामडीह सराय गढ़ा में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के पट्टाशुदा तालाब में एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान रामडीह सराय गढ़ा निवासी राम हरख (52) पुत्र बसंती के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राम हरख गांव के ही पट्टाशुदा तालाब की कमेटी के सदस्य थे और नियमित रूप से तालाब की रखवाली का कार्य करते

थे। ग्रामीणों के अनुसार राम हरख नाव पर बैठकर तालाब की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान नाव के असंतुलित होकर पलट जाने की आशंका जताई जा रही है, जिससे वह तालाब में गिर गए और बाहर नहीं निकल सके। आशंका के बाद मछुआ समुदाय से जुड़े कुछ लोगों ने तालाब में उतरकर खोजबीन की, जिसके बाद शव तालाब से बाहर निकाला गया।

सूचना पर पहुंची बसखारी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई है।

इस संबंध में बसखारी थानाध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला तालाब में डूबने से मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

शुक्रवार शाम रखवाली के लिए गए थे तालाब

जानकारी के अनुसार राम हरख शुक्रवार की शाम तालाब की रखवाली करने के लिए घर से निकले थे। देर रात तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उन्हें आसपास तलाशने का प्रयास किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। शनिवार सुबह ग्रामीणों के साथ परिजन तालाब की ओर पहुंचे, जहां तालाब के किनारे उनका मोबाइल फोन और एक डंडा पड़ा मिला। इसके बाद तालाब में डूबने की आशंका गहराई।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी गई सम्मानपूर्वक विदाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । पुलिस लाइन स्थित सभागार में शनिवार को सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्राधिकारी टांडा/लाइन्स शुभम कुमार ने सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके दीर्घकालीन सेवाकाल की सराहना की। कार्यक्रम का आयोजन सादगीपूर्ण वातावरण में किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

विदाई समारोह में प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार सहित पुलिस लाइन के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के सेवाकाल, कार्यक्षेत्र और विभाग के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। समारोह में बताया गया कि मुख्य आरक्षी हरिन्द्र तिवारी ने एक अक्टूबर 1984 को दसवीं

वाहिनी पीएसी बाराबंकी में आरक्षी के पद पर नियुक्त होकर अपनी सेवा यात्रा प्रारंभ की थी। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर तैनाती के दौरान विभागीय दायित्वों का निर्वहन किया।

रेडियो उप निरीक्षक राम यज्ञ का चयन दो जनवरी 1988 को सहायक परिचालक के पद पर जनपद प्रयागराज में हुआ था। रेडियो संचार व्यवस्था से जुड़े दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्होंने पुलिस तंत्र में संचार व्यवस्था को मजबूत करने में भूमिका निभाई। उप निरीक्षक नागरिक पुलिस संतोष कुमार मिश्रा ने एक अक्टूबर 1984 को पैंतीसवीं वाहिनी पीएसी लखनऊ में आरक्षी के पद पर भर्ती होकर सेवा प्रारंभ की थी।

पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई

अंबेडकरनगर। शनिवार को पुलिस कार्यालय अंबेडकरनगर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने दूर-दराज से आए आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी सहित विभिन्न मामलों से जुड़े प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक आवेदक की बात विस्तार से सुनते हुए संबंधित मामलों की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई का उद्देश्य पीड़ितों को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध व निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करना है। इस दौरान उन्होंने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि किसी भी मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने प्राप्त शिकायतों को संबंधित थाना प्रभारी एवं अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित और न्यायोचित निस्तारण के निर्देश दिए।

30 जनवरी से 6 फरवरी तक जनपद स्तरीय अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

गो-आश्रय स्थलों का सघन निरीक्षण अभियान शुरू

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर में निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने 30 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक विशेष सघन निरीक्षण अभियान शुरू करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत जनपद के सभी गो-आश्रय स्थलों का स्थलीय सत्यापन कर मूलभूत सुविधाओं, रख-रखाव और संचालन व्यवस्था का गहन आकलन किया जाएगा।

जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को प्रतिदिन एक-एक गो-आश्रय स्थल का निरीक्षण कर जांच आख्या प्रस्तुत करने के लिए नामित किया गया है। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर कमियों की पहचान कर त्वरित सुधार सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी के निरीक्षण में प्रतापपुर चमुर्खा गोशाला में गोवंशों को हरा चारा और पशु आहार न दिए जाने का मामला सामने आया। यहां केवल भूसा खिलाया जा रहा था, जिस पर नाराजगी जताई गई। गोशाला संचालक को नियमित रूप से हरा चारा और संतुलित पशु आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों का मूल्यांकन कर संबंधित गो-आश्रय स्थल संचालकों को दो कार्य दिवसों के भीतर सुधार के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि लापरवाही या पुनरावृत्ति पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहले दिन छह गोशालाओं का निरीक्षण

निरीक्षण अभियान के पहले दिन 30 जनवरी को जनपद के विभिन्न विकास खंडों और नगर निकायों में स्थित गो-आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खंड कटेहरी के प्रतापपुर चमुर्खा गोवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण ने नगर पालिका टाण्डा में संचालित गो-आश्रय स्थल का सत्यापन किया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने विकास खंड जलालपुर के पटोहा गानेपुर स्थित गोवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा विकास खंड अकबरपुर के सैदपुर भीतरी गो-आश्रय स्थल का निरीक्षण किया गया। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने नगर पालिका अकबरपुर के मिर्जापुर स्थित शहरी गोवंश आश्रय स्थल की जांच की, जबकि जिला विकास अधिकारी ने विकास खंड कटेहरी के वृहद गोवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया।

बाल श्रम मुक्त लक्ष्य 2027 की दिशा में पहल जन-जागरूकता रथ खाना

एक माह तक जनपद के सभी विकास खंडों में चलेगा अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । बाल श्रम और बाल विवाह के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देशानुसार शुक्रवार को सहायक श्रमायुक्त राजबहादुर यादव ने "बाल श्रम जनपद मुक्त लक्ष्य–2027" और "बाल विवाह मुक्त जनपद" के उद्देश्य से संचालित जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ आगामी एक माह तक जनपद के सभी विकास खंडों, नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेगा।

जागरूकता रथ के माध्यम से आमजन को बाल श्रम निषेध अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम तथा शासन द्वारा संचालित बाल संरक्षण और श्रमिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं की

जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान यह बताया जाएगा कि बाल श्रम और बाल विवाह कानूनन अपराध हैं और इनके लिए दंडात्मक प्रावधान लागू हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2027 तक अम्बेडकरनगर को बाल श्रम मुक्त घोषित करना और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के प्रति समाज को सचेत करना है। इसके साथ ही बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समग्र विकास को सुनिश्चित करने का संदेश दिया जा रहा है। प्रशासन का मानना है कि जागरूकता के माध्यम से ही इन सामाजिक समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

रथ के माध्यम से पम्पलेट, बैनर, पोस्टर, ध्वनि प्रसारण और जनसंवाद के जरिए यह जानकारी दी जाएगी कि बाल श्रम या बाल विवाह की किसी भी घटना की सूचना तत्काल संबंधित विभागों या प्रशासन को देना प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है।

विद्यार्थियों को मिले विषयवार अध्ययन और उत्तर लेखन के सुझाव

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत 31 जनवरी 2026 को आयुक्त व रोल प्रेक्षक अयोध्या मंडल राजेश कुमार ने जनपद स्तरीय समीक्षा के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एसआईआर के अंतर्गत नोटिसों की सुनवाई, फॉर्म-6 प्रक्रिया, वंचित मतदाताओं की पहचान और एसओपी अनुपालन की प्रगति की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त ने स्पष्ट किया कि आयोग के निर्देशानुसार कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर

यूपी बोर्ड परीक्षा 2026: सामाजिक विज्ञान में बेहतर अंक के लिए रणनीति पर जोर

न रह जाए, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। राजनीतिक दलों से अपील की गई कि वे मतदाताओं को सुनवाई तिथियों पर उपस्थित होने के लिए सक्रिय सहयोग दें।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद में एसआईआर की प्रगति से अवगत कराए जाने पर मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि निर्धारित समयसीमा में सभी शेष पात्र नागरिकों से अनिवार्य रूप से फॉर्म-6 भरवाया जाए।

निर्देश : बूथों पर पहुंचकर लिया एसआईआर कार्यों का जायजा

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की मंडलायुक्त ने की समीक्षा

कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे, समयसीमा में पूर्ण हो सभी प्रक्रियाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत 31 जनवरी 2026 को आयुक्त व रोल प्रेक्षक अयोध्या मंडल राजेश कुमार ने जनपद स्तरीय समीक्षा के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एसआईआर के अंतर्गत नोटिसों की सुनवाई, फॉर्म-6 प्रक्रिया, वंचित मतदाताओं की पहचान और एसओपी अनुपालन की प्रगति की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त ने स्पष्ट किया कि आयोग के निर्देशानुसार कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जाए, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। राजनीतिक दलों से अपील की गई कि वे मतदाताओं को सुनवाई तिथियों पर उपस्थित होने के लिए सक्रिय सहयोग दें।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद में एसआईआर की प्रगति से अवगत कराए जाने पर मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि निर्धारित समयसीमा में सभी शेष पात्र नागरिकों से अनिवार्य रूप से फॉर्म-6 भरवाया जाए। नोटिसों की सुनवाई गुणवत्तापूर्ण ढंग से की जाए और प्रत्येक मामले का स्पष्ट निस्तारण सुनिश्चित हो।

अकबरपुर और कटेहरी में बूथों का निरीक्षण

इसके उपरांत मंडलायुक्त ने तहसील अकबरपुर में विधानसभा क्षेत्र अकबरपुर और कटेहरी के चयनित बूथों का भ्रमण किया। कार्यालय खंड विकास अधिकारी अकबरपुर, पंचायत भवन अन्नावा सहित प्राथमिक विद्यालय मूसेपुर गिरंट, घाघुपुर तथा पंचायत भवन धनवारी और खेमराज इंटर कॉलेज खेमापुर में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची वाचन, फॉर्म-6, 7 और 8 के संकलन तथा 'नो-मैपिंग' मामलों की सुनवाई का भौतिक सत्यापन किया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त रुख

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि शासन द्वारा संचालित सभी स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान दिए।

बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इनमें जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, मातृ मृत्यु दर, परिवार कल्याण, आयुष्मान भारत योजना, कायाकल्प, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, आशा एवं लाभार्थी भुगतान, परिवार नियोजन

तथा बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण जैसे प्रमुख बिंदु शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने फरवरी माह में प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। इनमें राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस, एमडीए कार्यक्रम तथा एमआर (मीजल्स-रूबेला) अभियान के सुचारू संचालन पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि इन अभियानों में किसी भी प्रकार की लापरवाही जनस्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। बैठक में बसखारी ब्लॉक के किछौछा क्षेत्र में एचआईवी जांच के लिए विशेष कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

शहर महज आवास नहीं, आर्थिक अवसंरचना का हैं रूप

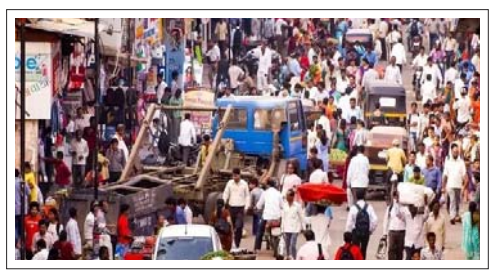

य ह अच्छा है कि बजट से पहले संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में अनेक चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया। इनमें से एक है शहरों का सही तरह विकास न होना। चूंकि इस पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है, इसलिए उसकी महत्ता भी समझी जानी चाहिए और उस पर गंभीरता से ध्यान भी दिया जाना चाहिए। इससे शायद ही कोई असहमत हो कि शहर महज आवास नहीं हैं।

वे एक महत्वपूर्ण आर्थिक अवसंरचना का रूप हैं। इसीलिए उन्हें आर्थिक विकास का इंजन कहा जाता है। हमारे शहर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान तो बढ़ा रहे हैं, लेकिन वे सुगम नागरिक जीवन के वैसे केंद्र नहीं बन पा रहे हैं, जैसे विश्व के अनेक देशों के शहर हैं। शहरी जीवन समस्याओं से घिर रहा है। वे तनाव, भीड़ और गंदगी का पर्याय बन रहे हैं। ऐसा अनियोजित और बेतरतीब विकास के कारण हो रहा है।

एक विडंबना यह भी है कि आधारभूत ढांचे में छिटपुट सुधारों को शहरी विकास का पर्याय मान लिया गया है। इसका परिणाम यह है कि शहरी समस्याएं रह-रहकर सिर उठाती रहती हैं। यह भी देखने में आ रहा है कि कई शहर आर्थिक गतिविधियों के केंद्र बन जाने के बाद भी राजनीतिक रूप से हाशिए पर ही रहते हैं। रही-सह कसर नगर निकायों की नाकामी पूरी कर देती है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय शहर अपने राजस्व से सकल घरेलू उत्पाद का 0.6 प्रतिशत से भी कम प्राप्त करते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि शहरों को सही तरह संचालित नहीं किया जा रहा है। प्रायः शहरों के आधारभूत ढांचे का निर्माण करते समय इस पर ध्यान ही नहीं दिया जाता कि इससे शहरी जीवन का समुचित तरीके से विकास होगा या नहीं? शहरों में आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों के केंद्र तो बना दिए जाते हैं, लेकिन इस पर कठिनाई से ही ध्यान दिया जाता है कि कामगार कहां रहेंगे या फिर उनका आवागमन कैसे होगा? जब शहर ट्रैफिक जाम, अतिक्रमण, प्रदूषण आदि समस्याओं से घिरते हैं तो उनकी उत्पादकता प्रभावित होने के साथ ही उनमें निवेश की संभावना भी कम होती है। अब जब यह स्पष्ट है कि शहरों में आबादी का दबाव बढ़ते ही जाना है, तब फिर उनके संतुलित एवं टिकाऊ विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अभी ऐसा नहीं हो रहा है, इसलिए शहरों में झुग्गी-बस्तियां बढ़ती जा रही हैं और आवासीय क्षेत्र व्यावसायिक बनते जा रहे हैं। यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि आर्थिक सर्वेक्षण में दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिए जो योजनाएं शुरू करने की जरूरत जताई गई है, उनकी पूर्ति करने के लिए राज्य सरकारें आगे आएं। वे यह समझें कि अपने शहरों का सही तरह विकास करना उनका ही काम है और यह इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे ही समृद्धि आएगी।

डॉ. ओ.पी. मिश्र

सालिसिटर जनरल की चुप्पी?

हम सब जानते हैं कि किसी भी मुकदमे में दो पक्ष होते हैं एक तरफ सरकार का पक्ष रखने तथा सरकार को डिफेन्ड करने के लिए सरकारी वकील तो दूसरी तरफ बचाव पक्ष का वकील जो यह साबित करने का प्रयास करता है कि उसके क्लाइंट ने कुछ भी नहीं किया बल्कि उसी के साथ गलत किया गया। निकली आदालतो में इन्हीं सरकारी वकील को कोर्ट साहब यानि पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अर्थात अभियोजन अधिकारी कहा जाता है । जबकि आगे बढ़ने पर यानी हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट पहुंचने पर इन्हें एडवोकेट जनरल, सालिसिटर जनरल कहा जाता है । अमूमन यह सारे विधि वेत्ता सरकार के निर्णय तथा उसकी पॉलिसी कैसे को सही सिद्ध करने का ही प्रयास करते हैं और करना भी चाहिए। क्योंकि यह उनका दायित्व है। लेकिन प्रत्येक भारतवासी को उस समय अचरज हुआ जब यूजीसी को लेकर जब मामला सुप्रीम कोर्ट आया और वहां मौजूद सरकार के वकील यानी सालिसिटर जनरल ने चुप्पी साध ली? क्यों चुप्पी साथ ली, किसके कहने पर चुप्पी साध ली और उनकी चुप्पी की वजह क्या थी? यह कुछ ऐसे सवाल है जिनका जवाब तो आना ही चाहिए। ऐसे में यह सवाल तो उठेगा ही क्या सरकार वोट बैंक सहेजने के चक्कर में खुद ही फस गई थी? क्या सरकार को यह लग गया था कि इस तरह तो अगडे और पिछडे दोनों उसके हाथ से जाएंगे? क्या इसीलिए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता खामोश रहे? कितनी अजीब बात है कि जब-जब सीजेआई सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से मुखातिब हुए और स्पष्टीकरण चाहा तब तब उन्होंने चुप्पी साध ली। सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि हमने जाति विहीन समाज की दिशा में जो कुछ भी हासिल किया है क्या हम फिर से पीछे की ओर जा रहे हैं? सालिसिटर जनरल चुप रहे। फिर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत की एकता शैक्षणिक संस्थानों में झलकनी चाहिए। इसके लिए आपके पास क्या कोई सुझाव है? तुषार मेहता चुप रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ये नियम अस्पष्ट है। य समाज को बांट देंगे और खतरनाक प्रभाव भी पड़ेगा। सालिसिटर जनरल चुप रहे। फिर कोर्ट ने कहा कि एक एक्सपर्ट कमेटी बनानी चाहिए जो इसकी समीक्षा करें। मेहता साहब चुप ही रहे। यहां यह जानना आवश्यक है कि 13 जनवरी को यूजीसी ने कथित समानता का यह आदेश promotion of equity in higher education institutions regulations को लागू किए जाने का आदेश दिया था। जिसे मात्र 15 दिनों बाद यानी 29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेशों तक रोक दिया। इसका मतलब सुप्रीम कोर्ट भी काफी जल्दबाजी में था और सालिसिटर जनरल तुषार मेहता की छुप्पी यह बता रही थी कि वह चाहते हैं कि फिलहाल तुरंत स्टे लग जाए। वैसे सुप्रीम कोर्ट कभी भी इतनी एक्टिव नहीं हुई है। याद कीजिए सी ए ए पर आज तक रोक नहीं लगी? बिहार चुनाव के समय S I R की घोषणा हुई थी आधा दर्जन राज्यों ने इसका विरोध किया लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्टे नहीं दिया। क्योंकि सालिसिटर जनरल तुषार मेहता इन मामलों में खामोश नहीं रहे। जबकि यूजीसी के मामले में वह खामोश रहे और बहस नहीं की कि यह एक वर्ग को सुरक्षित महसूस करने के लिए क्या दूसरे वर्ग को असुरक्षित करना आवश्यक है। यहां यह बात भली-भांति समझनी होगी की शैक्षणिक परिसर सबसे संवेदनशील जगहों में से एक है। यहां की घटनाएं उन छात्रों पर प्रभाव डालती है जिन्हें भविष्य में देश और समाज की दिशा तय करनी है । इसलिए यहां आवश्यक यह है कि कोई भी नियम कानून की मेरिट और डिमैरिट परखने तथा सोच समझ के बाद ही लागू किया जाए। ऐसे में अगर सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि देश को जाति विहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए ना के पीछे की तरफ तो सही ही कहा। लेकिन सरकार और सरकारों की नीतियां हमेशा जाति के आधार पर ही तय होती आयी हैं। क्योंकि सारे राजनीतिक दल जाति आधारित ही राजनीति करते हैं। टिकट जाति के आधार पर बांटे जाते हैं, मंत्री जाति के कोटे के आधार पर बनाए जाते हैं वोट के लिए और चुनाव जीतने के लिए। राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री की जाति बताई जाती है फिर हम जाति विहीन समाज की कल्पना कैसे कर सकते हैं। ऐसे में अगर मैं यह कहूं कि हमारे जिस्म के रगों में बहते हुए खून की रंगत भी जाति के रंग से रंगी है तो शायद गलत नहीं होगा । यह बाद मैं इसलिए कह रहा हूं कि यूजीसी कानून भी जाति के पोषण के लिए ही शायद लाया गया था। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि यह भारत सरकार का कानून है संसद का कानून है सभी को इसे मानना ही पड़ेगा। इस मौके पर मैं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का वह बयान यहां कोड कर रहा हूं जिसमें वह कहते हैं कि सनातन धर्म को विभाजित करने वाले यूजीसी नियमों पर रोक लगाने के लिए उच्चतम न्यायालय के प्रति हार्दिक आभार। आज मंत्री जी सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं लेकिन मंत्री जी को यह भी तो बताना चाहिए की 13 जनवरी को जब यह लागू हो रहा था तो वह कहां थे और क्या कर रहे थे? एक बयान में केशव प्रसाद मौर्य जी कहते हैं कि मोदी जी और हमारी पार्टी अंतिम सांस तक यूजीसी कानून लागू करने के लिए लड़ते रहेंगे। दलित, पिछड़े आदिवासी सभी लोग हमारे ऊपर भरोसा रखिए। अब देखना यह होगा कि किसके भरोसे पर मोदी जी और भाजपा खरी उतरती है। क्योंकि वोट तो सरकार बनाने के लिए अगड़े पिछड़े तथा दलित सभी का भाजपा को चाहिए। लेकिन यूजीसी लागू करके शायद ही भाजपा सबको खुश कर पाए? वैसे तो सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रथम दृष्टया माना है कि नए नियमों का दुरुपयोग संभव है । इसी के साथ ही सरकार को भी यह समझना जरूरी है कि स्वर्ण में किन बातों को लेकर नाराजगी है। इतना ही नहीं नियमों के क्रियान्वन की जिम्मेदारी कुलपतियों तथा प्राचार्यो को भी लेनी होगी। तभी बात बन पाएगी। इसके विपरीत यूजीसी समर्थकों का कहना है कि आरक्षित वर्ग के छात्रों द्वारा सामान्य वर्ग से भेदभाव का कोई मामला नहीं है। लेकिन भविष्य में रोहित वेमूला तथा पायल तड़वी जैसी घटनाएं न घटे और कोई आत्महत्या करने के लिए विवश न हो । इसलिए नियमों को चुस्त दुरुस्त किया गया है। यूजीसी समर्थको का यह भी कहना है कि अधिकांश संस्थाओं के प्रमुख सामान्य वर्ग से आते हैं इसलिए सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ अन्याय होने की संभावना कम है। खैर जो भी हो लेकिन बर्र के छत्ते पर पत्थर फेंकने का काम जो भाजपा ने किया है उसका खामियां आज तो उसे उठाना ही पड़ सकता है। क्योंकि दोनों को तो कुछ किया ही नहीं जा सकता। भाजपा अगर इस भ्रम में है कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय मनाने के लिए अंततः अगडे और पिछड़े दोनों मजबूर होंगे तो यह उसका दिवास्वप्न है। क्योंकि सालिसिटर जनरल की चुप्पी भी मलहम का काम कर पाएगी कहां नहीं जा सकता।

> उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बयान भी सुनना चाहिए जिसमें वह कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट का हर फैसला देश के लिए सम्मान और खुशी की बात है।

गुरु रविदास के सामाजिक... — बाबूलाल नागा

गुरु रविदास जयंतीः सामाजिक समता और मानवीय गरिमा के महान उद्घोषक

गुरु रविदास जयंती हिंदू चंद्र पंचांग के माघ महीने की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। यह आमतौर पर हर साल जनवरी या फरवरी में पड़ती है। 2026 में गुरु रविदास जयंती रविवार, 1 फरवरी को मनाई जाएगी। गुरु रविदास जयंती एक विशेष अवसर है जो 15वीं शताब्दी के संत, कवि और समाज सुधारक गुरु रविदास के जन्मदिवस को चिह्नित करता है। वे एक आध्यात्मिक नेता थे जिन्होंने समानता, एकता और ईश्वर के प्रति भक्ति का संदेश फैलाया। उनकी शिक्षाओं ने लोगों को जातिगत भेदभाव से उबरने और प्रेम, विनम्रता और धर्म का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

भारत की संत परंपरा में गुरु रविदास का नाम सामाजिक समता, मानव गरिमा और आध्यात्मिक चेतना के सशक्त प्रतीक के रूप में दर्ज है। गुरु रविदास जयंती केवल एक महापुरुष की स्मृति का अवसर नहीं, बल्कि उस वैचारिक विरासत को दोहराने का दिन है जिसने सदियों पहले जाति, ऊंच-नीच और भेदभाव की जड़ों पर सीधा प्रहार किया। मध्यकालीन भारत में जब समाज कठोर जाति-व्यवस्था और सामाजिक असमानताओं से जकड़ा हुआ था, तब गुरु रविदास ने अपने जीवन, कर्म और वाणी से समानता और मानवता का संदेश दिया।

गुरु रविदास का जन्म काशी (वर्तमान वाराणसी) में हुआ माना

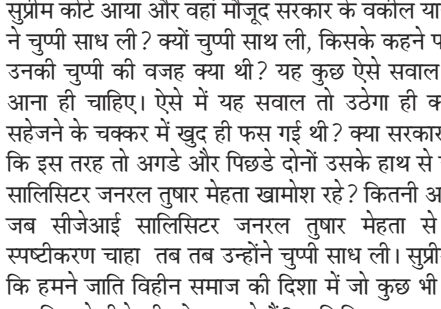

जाता है। उनका जीवन एक साधारण श्रमिक समुदाय से जुड़ा रहा, लेकिन उनकी सोच और चेतना असाधारण थी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक ऊंचाई किसी जाति, वर्ग या पेशे की मोहताज नहीं होती। उनके लिए मनुष्य की पहचान उसके कर्म, आचरण और मानवीय मूल्यों से थी, न कि जन्म से मिली सामाजिक श्रेणी से।

गुरु रविदास के सामाजिक योगदान का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जाति-व्यवस्था का विरोध है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं और उनमें कोई भेद नहीं किया जा सकता। उनके भजनों और पदों में यह संदेश बार-बार उभरता है कि ईश्वर न मंदिरों की दीवारों में सीमित है और न ही किसी एक वर्ग का विशेषाधिकार है। उनके अनुसार सच्ची भक्ति वही है जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है, न कि तोड़ती है। उनकी वाणी ने श्रमिकों, शोषितों और वंचितों को आत्मसम्मान दिया। उस समय समाज के निचले पायदान पर रखे गए समुदायों को गुरु रविदास ने यह विश्वास दिलाया कि वे भी ज्ञान, भक्ति और मुक्ति के अधिकारी हैं। यह एक क्रांतिकारी विचार था, जिसने सामाजिक चेतना को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने अपने जीवन से यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि श्रम कोई हीन कार्य नहीं, बल्कि ईमानदार श्रम स्वयं में पूजनीय है। गुरु रविदास का "बेगमपुरा" का विचार भारतीय सामाजिक चिंतन में एक अद्वितीय कल्पना है। बेगमपुरा—अर्थात ऐसा समाज जहां कोई दुःख न हो, कोई भेदभाव न हो, कोई कर या अन्याय न हो—एक समतामूलक समाज का स्वप्न था। यह केवल आध्यात्मिक कल्पना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की स्पष्ट अवधारणा थी। आज के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों में भी इस विचार की गूंज सुनाई देती है। भक्ति आंदोलन में गुरु रविदास का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उन्होंने भक्ति को कर्मकांडों से मुक्त कर जनसामान्य की भाषा और अनुभव से जोड़ा। उनकी वाणी सरल, सहज और जीवन से जुड़ी हुई थी। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सुधार के आंदोलन में भी दिखाई देता है। गुरु ग्रंथ साहिब में उनके पदों का समावेश इस बात का प्रमाण है कि उनकी वाणी ने धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता को जोड़ा। गुरु रविदास ने सामाजिक संवाद में प्रेम, करुणा और सह-अस्तित्व को केंद्रीय स्थान दिया। उन्होंने न तो हिंसा का मार्ग अपनाया और न ही कटुता का। उनकी क्रांति शांति, विचार और आत्मबोध की क्रांति थी। यही कारण है कि उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं, जब समाज फिर से विभाजन और असमानता की चुनौतियों से जूझ रहा है। आज गुरु रविदास जयंती पर उनके विचारों को स्मरण करना केवल औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। यह अवसर है आत्ममंथन का—कि क्या हमारा समाज उस बेगमपुरा की ओर बढ़ रहा है, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी? क्या हम आज भी जाति, वर्ग और पहचान के नाम पर मनुष्य को बांट रहे हैं, या गुरु रविदास के समानता और न्याय के संदेश को जीवन में उतार रहे हैं?

यह स्वीकार... — ललित गर्ग

आर्थिक सर्वेक्षण से बजट तक भविष्य के भारत की तलाश

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत किया जाने वाला बजट केवल आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि वह देश की आर्थिक दिशा, सामाजिक प्राथमिकताओं और भविष्य की संभावनाओं का दर्पण होता है। आज जब भारत एक ओर तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और दूसरी ओर वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, जलवायु संकट और तकनीकी परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह बजट और भी अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। व्यक्तिगत नागरिक से लेकर व्यापारी, उद्योगपति, किसान, श्रमिक, युवा और मध्यम वर्ग-सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हैं, क्योंकि इससे न केवल वर्तमान वर्ष की आर्थिक तस्वीर, बल्कि "भविष्य के भारत" की झलक भी मिलती है। बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण ने सरकार की सोच और नीति-दृष्टि के कई संकेत दिए हैं। इसमें विकास को केवल आंकड़ों की वृद्धि तक सीमित न रखकर अवसरों के विस्तार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अवश्य हैं, किंतु उनसे अधिक संभावनाएं हैं। यही दृष्टिकोण इस बजट का मूल स्वर होना चाहिए-चुनौतियों को अवसरों में बदलने का साहसिक प्रयास। सबसे पहली और महत्वपूर्ण अपेक्षा निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने को लेकर है। किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती तभी आती है जब उसके सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानजनक जीवन जी सके और उपभोग में भागीदार बने। यदि निम्न आय वर्ग की आय बढ़ती है, उसे सस्ती और सुलभ सुविधाएं मिलती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव मांग पर पड़ता है और मांग बढ़ने से उत्पादन, निवेश और रोजगार-तीनों को गति मिलती है। इसलिए इस बजट में प्रत्यक्ष नकद अंतरण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च के साथ-साथ रोजगार सृजन के ठोस उपाय अपेक्षित हैं। मनरेगा जैसे कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण, शहरी गरीबों के लिए भी समान प्रकृति की योजनाएं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। शहरी विकास इस बजट का एक और प्रमुख केंद्र होना चाहिए। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है और शहरों पर जनसंख्या, आवास, परिवहन, जल, स्वच्छता और पर्यावरण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। केवल बड़े महानगरों पर निर्भरता अब व्यावहारिक नहीं रही। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा द्वारा सुझाया गया शहरी विकेंद्रीकरण का विचार आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। छोटे और मध्यम शहरों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाना, उद्योगों और सेवाओं को वहां प्रोत्साहित करना, न केवल महानगरों पर बोझ कम करेगा बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी घटाएगा।

भविष्य के भारत के लिए सही राह

पिछले एक दशक में भारत के आर्थिक कायाकल्प को सामान्य तौर पर जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों से ही रेखांकित किया जाता है, लेकिन ऐसा करना इस पूरी कहानी को समझने का अधूरा प्रयास ही कहा जाएगा। भारत में आकार ले रहा परिवर्तन विकास की गति से अधिक उसकी प्रकृति एवं स्वरूप में आया बदलाव अधिक महत्वपूर्ण है। देश ने एक नाजुक और असंतुलित अर्थव्यवस्था से एक ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ाए हैं, जो पूंजीगत व्यय, डिजिटल आधारभूत ढांचे और संस्थागत क्षमताओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में राज्य क्षमता विस्तार, सार्वजनिक वस्तुओं का निर्माण और उनकी नागरिकों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय निवेश देखा गया है। अब चुनौती इन बुनियादी परिवर्तनों को दीर्घकालिक उत्पादकता और समावेशी लाभों में बदलने की है। निःसंदेह श्रम बाजार का औपचारीकरण बढ़ा है, लेकिन हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि कौशल के स्तर पर अभी भी अवरोध कायम हैं। वेतन आंकड़ों के हालिया रुझान को देखें तो हाल के वर्षों में औसतन बीस लाख नए कर्मियों का मासिक जुड़ाव सामने आया है। यह दर्शाता है कि डिजिटलीकरण और कर सुधारों ने व्यवसायों को औपचारिक स्वरूप अपनाने के लिए प्रेरित किया है। बेरोजगारी दर का पांच प्रतिशत के आसपास स्थिर रहना भी मजबूती और स्थायित्व का संकेत है। फिर भी यह परिवर्तन पहला चरण ही है, क्योंकि केवल औपचारिक रोजगार पर्याप्त नहीं हैं। स्थितियां तब तक नहीं सुधरेंगी, जब तक रोजगार की उत्पादकता और गुणवत्ता समान रूप से नहीं बढ़ती। महिला श्रम भागीदारी का लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंचना हौसला जरूर बढ़ाता है, पर इसका एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण, कम-भुगतान या अवैतनिक कार्यों में केंद्रित है।

प्रो. गौरव वल्लभ

जरा हटके

दूसरी ओर ईयू ने ... — राजेश श्रीवास्तव

भारत-ईयू की डील से अमेरिका क्यों भड़का

भारत ने 27 जनवरी को यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए अनाउंस कर दिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय यूनियन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर ने इस समझौते को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा है। ईयू 27 देशों का ग्रुप और दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारिक ब्लॉक है। वहीं भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। दोनों के साथ आने से 200 करोड़ लोगों का मार्केट बनेगा। साथ ही दुनिया की 25% जीडीपी कवर होगी। भारत-ईयू ने पिछले साल 12.5 लाख करोड़ रुपए का ट्रेड किया। एफटीए आने से भारत की बर्लिन, रोम, म्यूनिख जैसे यूरोपीय बाजारों में और यूरोप की दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे भारतीय बाजारों में पहुंच बन जाएगी। अनुमान है कि एफटीए होने से भारत-ईयू का व्यापार जल्द ही दोगुना हो जाएगा। मौजूदा वैश्विक उठापटक के बीच दुनिया अमेरिका और चीन का ऑप्शन खोज रही हैं। भारत-ईयू के बीच ये डील होने से ग्लोबल सप्लाई चेन का चेहरा बदल जाएगा। उम्मीद है कि चीन की जगह भारत तेजी से प्रोडक्शन हब बनेगा। ईयू से ट्रेड बढ़ेगा और ट्रम्प के टैरिफ को मात दी जाएगी।

भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने मंगलवार को मदर ऑफ ऑल डील्स की घोषणा की है। इस समझौते पर दुनिया की नजर है लेकिन खासतौर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह पसंद नहीं आएगा। इसकी वजह ट्रंप प्रशासन की हालिया महीनों में भारत और यूरोप पर दबाव बनाने की कोशिश की है, जिसमें उन्होंने व्यापार को हथियार बनाया। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप ने लगातार यूरोप को धमकियां दी हैं तो भारत को 50 फीसदी टैरिफ लगाकर दबाने की कोशिश है। इन दोनों

दोनों पक्षों ने अब एक-दूसरे के साथ बड़ा समझौता किया है। डोनाल्ड ट्रंप जिन दो ताकतों यानी भारत और यूरोप को किनारे लगाने की कोशिश में थे, उनके बीच महत्वपूर्ण ट्रेड डील साइन होना निश्चित रूप से उन्हें चुभेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति इसे खुली चुनौती के तौर पर देखेंगे क्योंकि भारत-अमेरिका की ट्रेड डील अटकी हुई है। दूसरी ओर ईयू ने भी अमेरिका के साथ अपनी ट्रेड डील की मंजूरी रोक दी है। ईयू और भारत ने एक तरह से ट्रंप के दबाव में ना झुकते हुए चुनौती देने का काम किया है। पिछले साल नाटो चीफ ने डोनाल्ड ट्रंप को 'डैडी' उपनाम दिया था। इसके बाद ये यह ट्रंप को एक प्रभावशाली तानाशाह के रूप में पेश करने का शॉर्टहैंड बन गया है, जिसे विरोधियों और सहयोगियों दोनों को कंट्रोल करना पसंद है। भारत-ईयू ट्रेड डील ने 'डैडी' को परेशान कर दिया है। यह परेशानी उनके ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के बयान में साफ झलकती है, जिसमें उन्होंने यूरोप को धोखेबाज तक कह दिया है।

संतान की परवरिश

जैसे मिट्टी के घड़े के निर्माण में कुम्भकार की भूमिका होती हैं । वैसे ही एक दृष्टि से प्रारंभिक समय में माँ आदि की भूमिका संतान की परवरिश में बहुत महत्वपूर्ण होती हैं । यह सही की हमारा व्यवहार हमारे मनोभाव दर्शाता है और मन के भाव संस्कार पर निर्भर है। संस्कार ग्रहण करना अपनी क्षमता पर आधारित है क्योंकि संस्कार दिए नही जाते लिए जाते है। एक माँ अपनी हर संतान को समान रूप से परवरिश देती है यह उनके बुद्धि कौशल एवं निर्णय पर आधार उनकी दिशा तय करती है । व्यक्ति निर्माण करना पुरष्कार्य होता हैं । बच्चों को संस्कार एक तरह से गर्भ में ही मिल जातें हैं । जन्म से पहले 9 माह के पीरियड में ही बच्चे का काफी निर्माण हो जाता हैं । जैसे भगवान महावीर त्रिशला माँ के गर्भ में रहे उस समय ज्ञानी पण्डितों ने त्रिशला को 22 बातें (सावधानियां) बताईं । वह यह कि तुम ध्यान रखोगी तो महापुरुष होगा । जन्म के बाद बच्चे की परवरिश की जाती हैं वही महत्व रखती हैं । किन्तु जन्म से पहले उस बच्चे को क्या बनना वह संस्कार माँ के हाथ में हैं । माँ बच्चे की पहली गुरुणी होती हैं । महात्मागांधी ने भी अपनी जीवनी में लिखा कि मेरी अनपढ़ माँ ने मुझे गांधी से महात्मा गांधी बना दिया । आजकी पढ़ी लिखी माताओं के लिए एक महात्मा का निर्माण करना एक चुनौती हैं । आजकल हमारी सोच का दृष्टिकोण ही बदल गया है। घर में बड़े भी गृहकार्य को छोटा समझने लगे हैं । स्टेट्स का मोटा जो प्रश्न हो जाता है। बच्चों को शतप्रतिशत पढ़ाई में ही रहने पर जोर दिया जाता है । अंक प्राप्ति अधिक से अधिक ही मुख्य ध्येय का सिरमौर हो जाता है । इस तरह संरक्षक स्वयं भी व बच्चे भी कठिनाइयों को झेलने के जरा भी आदी नहीं होते हैं । हमको समझना चाहिए यह बहुत बड़ी कमी सर्वांगीण व्यवहारिक जीवन की होती है । अतः हम स्वयं में और बच्चों में भी दर्द को सहन करने की आदत डालें । यह बात छोटी लगती है पर बहुत जरूरी हैं । इसके बिना जिन्दगी एकदम ही अधूरी हैं। वह छोटे-मोटे धक्कों से भी यह जिन्दगी डगमगाने लगती है क्योंकि आदत जो नहीं होती है। हम दो हमारे एक संतान का भी निर्माण भी कठिन हो रहा हैं । सुधार की जगह बिगड़ने का माहौल ज्यादा बढ़ गया हैं । मौलिकगुणों के ह्रास से बच्चों में उन्माद, प्रमाद, असहिष्णुता, विलासिता आदि का माहौल ज्यादा बढ़ने से अच्छी और भरोसेमंद संतान की कल्पना धूमिल न हो जाए । यह ध्यान रखना जरूरी हैं । माता पिता इस धारणा को बदल दें कि बच्चें की हर ख्वाइस को पूरा करना चाहिए । गलत प्रोत्साहन बिगड़ने का कारण बनता हैं । हम बच्चों को बड़े लाड़ प्यार से पालते हैं। उन्हें थोड़ी सी भी कोई तकलीफ होते ही हिफ़ाज़त पूरी करते हैं। वह कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं। माना कि बच्चों को स्नेह- दुलार देना हर माँ-बाप का स्वाभाविक स्वभाव है पर बच्चों को दर्द सहने की आदत सिखाना भी हमारा कर्तव्य ही नहीं उनके संतुलित जीवन के लिए जरूरी आयाम है।

> प्रदीप छाजेड़

बरेली में पैर फिसलने से पुल से गिरा, ऊपर 100 किलो के तीन पत्थर गिरे

रील बना रहे युवक की मौत

घटना

स्लैब के नीचे दबे फैजान को हाईड्रा मशीन से बाहर निकाला गया।

मृतक, फैजान

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में रील बना रहे 22 साल के युवक की मौत हो गई। वह निर्माणाधीन पुल के किनारे रखी सीमेंट स्लैब (पत्थर) पर चढ़कर पोज दे रहा था, तभी उसका युवक का पैर फिसल गया। वह पुल से नीचे गिरा। उसके ऊपर करीब 100 किलो वजनी तीन स्लैबें आकर गिर गईं। साथी ने स्लैबों को हटाने की कोशिश की, लेकिन हटा नहीं पाया। थोड़ी देर में युवक की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। स्लैब इतनी भारी थी कि उसे हटाने के लिए हाइड्रा मशीन बुलानी पड़ी। तब जाकर शव को बाहर निकाला गया।

मामला नवाबगंज थाना क्षेत्र का है। युवक की पहचान रिछोला किफायतुल्ला के फैजान के रूप में हुई है। इंस्टाग्राम पर उसके 9635 फॉलोवर्स थे। शोर सुनकर आसपास के लोग और निर्माण कार्य में लगे मजदूर दौड़ पड़े। मौके पर चीख-पुकार मच गई। भारी स्लैब्स को हाथों से हटाना बिल्कुल भी मुमकिन नहीं था। इसलिए तुरंत हाईवे निर्माण कंपनी की हाइड्रा मशीन बुलाई गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मलबे को हटाया गया। लेकिन तब तक फैजान की मौत हो चुकी थी। पिता मेहंदी हसन ने बताया- फैजान शाम करीब पांच बजे दोस्त अनुज के साथ घूमने के लिए घर से निकला था। कुछ देर बाद उसकी मौत की खबर मिली। हमें अंदाजा भी नहीं था, कि ऐसा कुछ हो जाएगा। हादसे के बाद फैजान के भाई हुस्ने मुस्तफा, नूरे मुस्तफा, जीशान, उवैश और दो बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दोस्त बना रहा था वीडियो

मोहम्मद फैजान पेशे से नाई था। शुक्रवार शाम 4:30 बजे फैजान अपने दोस्त अनुज गंगवार के साथ सिजौलिया गांव के पास बन रहे पुल पर रील बनाने गया। अनुज मोबाइल से फैजान का वीडियो शूट कर रहा था। फैजान पुल के किनारे रखी कई स्लैबों के ऊपर चढ़ गया। वो रील के लिए पोज दे ही रहा था, तभी अचानक उसका बैलेंस बिगड़ा और वह फिसल गया। पुल के एक तरफ पक्की सड़क थी, दूसरी तरह खेत था। फैजान दूसरी तरफ यानी नीचे खेत में गिरा। जैसे ही फैजान गिरा, वैसे ही उसके ऊपर भरभराकर भारी-भरकम सीमेंट्स के तीन स्लैब गिर पड़े। वह स्लैब के नीचे दब गया। उसका दोस्त अनुज उसे बचाने के लिए नीचे उतरा। लेकिन तीन स्लैबों को हटाना मुमकिन नहीं था। उसने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू किया। दोस्तों और परिजनों को फोन किया।

रील बनाने वालों के लिए सबक

- निर्माणाधीन पुल, रेलवे ट्रैक या ऊंची दीवारों पर स्टंट करना जानलेवा हो सकता है।
- निर्माण साइट पर रखे पत्थर या स्लैब अक्सर सपोर्ट पर नहीं रखी होती हैं, जो जरा सा दबाव पड़ते ही पलट सकती हैं।
- बिना सुरक्षा उपकरणों के ऐसी जगहों पर जाना कानूनी और शारीरिक दोनों रूप से जोखिम भरा है।

भाई-बहनों में 5वें नंबर पर था

फैजान अपने भाई-बहनों में पांचवें नंबर पर था। जवान बेटे की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिजन बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे और बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव लेकर घर चले गए। हालांकि, बाद में सूचना मिलने पर कस्बा चौकी इंचार्ज सुनील कुमार ने घटनास्थल का मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए।

हरे भरे आम के पेड़ों की अवैध कटान पर उठे गंभीर सवाल

सरकारी भूमि को भी नहीं बख्शा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। फतेहपुर वन रेंज के अंतर्गत ग्राम जिगनी में हरे-भरे आम के पेड़ों की अवैध कटान का मामला सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि कलमी आम के पेड़ों की अनुमति की आड़ में ठेकेदार द्वारा देसी आम के कम से कम पांच हरे-भरे पेड़ों को दिनदहाड़े काट दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरा कार्य वन विभाग के संरक्षण में खुलेआम किया जा रहा है। इतना ही नहीं, ठेकेदार द्वारा चकमार्ग की सरकारी भूमि पर लगे आम के पेड़ को भी काट दिया गया, जो सीधे तौर पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की श्रेणी में आता है। हैरानी की बात यह है कि इस कटान के लिए किसी भी प्रकार की राजस्व विभाग से अनुमति नहीं ली गई थी, इसके बावजूद कटान का कार्य बिना किसी रोक-टोक के जारी रहा। ग्रामीणों द्वारा जब इस संबंध में लेखपाल विनोद कुमार को सूचना दी गई तो उन्होंने दूरभाष पर बातचीत में बताया कि पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जिला वन अधिकारी आकाशदीप ने भी प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। पेड़ों की कटान की अनुमति पतझड़ के मौसम के बाद ही दी जाती है, ताकि पर्यावरण को न्यूनतम क्षति पहुंचे। लेकिन इस मामले में हरे-भरे और फलदार आम के पेड़ों को काटने की अनुमति देना विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

फास्ट न्यूज

रेलवे में हुई फर्जी नियुक्तियों की जांच अब सीबीआई को

गोरखपुर । पूर्वोत्तर रेलवे (NER) में रेलवे भर्ती बोर्ड के जरिए फर्जी नियुक्ति करने के मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) करेगी। CBI ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। इससे जुड़े आरोपियों को जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। भर्ती बोर्ड में तैनात दो कर्मचारियों ने कूटरचना कर अपने पुत्रों को पैनल में शामिल कर लिया था और उनकी नियुक्ति करा दी थी।

योगी से हिन्दू का प्रमाण मांगने वाले पर खुद संदेह

वाराणसी । शंकराचार्य के CM योगी से हिन्दू होने का प्रमाण मांगने वाले बयान पर सांसद मनोज तिवारी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा- अगर योगी आदित्यनाथ से कोई हिन्दू होने का प्रमाण मांगता है तो उस व्यक्ति के अपने हिन्दू होने पर ही संदेह होता है। योगी जी का पूरा जीवन सनातन संस्कृति और हिंदू समाज की सेवा में समर्पित रहा है। शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे मनोज तिवारी ने बजट और यूजीसी एक्ट पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा- काशी में रिचार्ज होने के लिए आते हैं। संघर्ष के दिनों में काशी के गंगा घाट पर अपना समय बिताया है।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी में छात्रों में मारपीट

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के मेन ग्राउंड में शुक्रवार को दो छात्रों के बीच हाथापाई हो गई। इस दौरान वहां मौजूद अन्य छात्रों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। दोनों ही छात्र एक दूसरे को देख लेने की धमकी देते रहे। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। किसी पक्ष ने यूनिवर्सिटी या पुलिस प्रशासन से शिकायत नहीं की है।

'उप परिवहन आयुक्त अयोध्या ने किया सड़क सुरक्षा माह का समापन'

सड़क पर चलने वाले चालक सर्वप्रथम अपनी जिम्मेदारी को समझे : राजकुमार सिह

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। सड़क हादसो को रोकने के लिये परिवहन विभाग द्वारा 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह के अन्तर्गत प्रशास्ति पत्र वितरण एंव समापन समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र अयोध्या राजकुमार सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रुप मे क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक पाठक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन, यात्री मालकर अधिकारी रवि चन्द्र त्यागी, सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवन्त सिंह यादव मौजूद रहे। समारोह में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र मे विशेष योगदान देने वाले समाजसेवियो, शिक्षको को प्रशास्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र अयोध्या राजकुमार ने सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों को सर्वप्रथम अपनी जिम्मेदारी को समझकर चलना होगा। ताकि इनसे कोई लोग हताहत न हो। किसी की जान एक छोटी सी लापरवाही से जा सकती है। सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। छोटी छोटी बातों पर ध्यान देकर हम सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। सड़क सुरक्षा माह का समापन हो रहा है, अभियान का नहीं। रोड़ सेफ्टी नियमों का पालन हमें स्वयं करना होगा। हेलमेट-सीटबेल्ट पहनकर दिखावा करने के बजाय इसे अपनी आदत मे बनायें। एआरटीओ प्रशासन ने कहा कि जीवन अनमोल है। इसे बचाना आवश्यक है तमाम नागरिकों का यह कर्त्तव्य बनता है कि गलत ढंग से सड़कों पर चलने वाले लोगों को जागरूक करें ताकि उनकी जीवन रक्षा हो सके। इसके उपरान्त 'सड़क पर वाहन चलाने से पहलें सभी सुरक्षा सम्बधी बातो का ध्यान रख सड़क व यातायात नियमों का हमेशा पालन करुगा' की शपथ दिलाई गई।

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में 24 घंटे के राष्ट्रीय हैकाथॉन 'स्नोहैक-आईपीईसी' का भव्य शुभारंभ

प्रतिभाशाली छात्रों ने दिखाया नवाचार और तकनीकी दक्षता का दमखम

तमसा संकेत, संवाददाता

गाज़ियाबाद। तकनीकी नवाचार, रचनात्मक सोच और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में 24 घंटे के राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन 'स्नोहैक-आईपीईसी' का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन को लेकर छात्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। देश के विभिन्न राज्यों से 2,000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से चयनित 85 टीमों के लगभग 300 प्रतिभागी मुख्य प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

हैकाथॉन में स्थानीय तकनीकी संस्थानों के साथ-साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) एवं देश के अन्य प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थानों के छात्र भी शामिल हुए हैं, जिससे प्रतियोगिता का स्तर अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शीर्ष तीन टीमों के लिए 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। कॉलेज प्रशासन द्वारा प्रतिभागियों के लिए निःशुल्क पंजीकरण, तथा 24 घंटे तक चलने वाले आयोजन के दौरान भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विकसित नवोन्मेषी परियोजनाओं का मूल्यांकन देश-विदेश की प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों एवं वरिष्ठ मानव संसाधन विशेषज्ञों की जूरी द्वारा किया जा रहा है। मूल्यांकन के प्रमुख मानदंडों में परियोजनाओं की व्यावहारिक उपयोगिता, नवाचार, तकनीकी गुणवत्ता तथा सामाजिक-औद्योगिक प्रभाव शामिल हैं। इस अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में नवाचार और तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है। वहीं, संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार सोलंकी ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को टीमवर्क, समय प्रबंधन और समस्या-समाधान जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस. पी. सिंह एवं डॉ. अरविंद तिवारी ने बताया कि हैकाथॉन का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक औद्योगिक चुनौतियों से परिचित कराते हुए नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

एमआईईटी ग्रुप और तपशील जाती आदिवासी प्रकटन सैनिक के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

कृषि विकास, शिक्षा, अनुसंधान और आदिवासी विकास को नया आयाम

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली । शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक विकास के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, मेरठ और पश्चिम बंगाल के हुगली जनपद स्थित तपशील जाती आदिवासी प्रकटन सैनिक कृषि विकास शिल्प केंद्र के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह संगठन भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय से मान्यता प्राप्त है। एमओयू हस्ताक्षर समारोह कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

एमओयू पर एमआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल तथा तपशील जाती आदिवासी प्रकटन सैनिक कृषि विकास शिल्प केंद्र के सचिव सौमेन कोले ने हस्ताक्षर किए। एमओयू का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना, कौशल विकास, सतत कृषि, उद्यमिता तथा ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए संयुक्त प्रयास करना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमआईईटी ग्रुप के ग्रुप डीन (आर एंड डी) प्रो डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने कहा कि यह साझेदारी शैक्षणिक संस्थानों और जमीनी स्तर पर कार्यरत संगठनों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि एमओयू के अंतर्गत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार तथा ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, फील्ड एक्सपोजर और व्यवहारिक शिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अवसर पर एमआईईटी ग्रुप के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, ग्रुप डीन डॉ. सुनील कुमार मिश्रा, सुशील कुमार शर्मा, मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा और तनुश्री जैन भी उपस्थित रहे।

तपशील जाती आदिवासी प्रकटन सैनिक कृषि विकास शिल्प केंद्र की ओर से उपाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र कुमार, राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य एवं परियोजना निदेशक मृदुल ताराफदर, मुख्य वित्त अधिकारी पवन कुमार झा, प्रशासन एवं संचालन प्रमुख जितेंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

नियम एवं ग्रन्थ उत्तर प्रदेश के निर्देश में संचालित कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय एवं श्रीमान् अपर पुलिस महानिदेशक, नियम एवं ग्रन्थ, उत्तर प्रदेश के निर्देश में संचालित Student Police Experiential Learning (SPEL) कार्यक्रम के तृतीय चरण का शुभारम्भ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, झाँसी श्री बीबीजीटीएस मूर्ति के कुशल निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर जनपद झांसी, (नोडल अधिकारी SPEL-3) द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन सभागार जनपद झांसी में एन0एस0एस0 नोडल अधिकारी, थानों से नामित नोडल अधिकारी एवं नामित शिक्षण संस्थानों के छात्र/छात्राओं की उपस्थिति में किया गया ।

इस अवसर पर 109 प्रतिभागी छात्र/छात्राओं को SPEL कार्यक्रम के उद्देश्य, संरचना एवं प्रशिक्षण प्रक्रिया, कानून और आपराधिक प्रकिया, आपराधिक अनुसंधान, यातायात नियंत्रण, साइबर अपराध, मानव तस्करी, कानून व्यवस्था के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गई, जिससे प्रतिभागी छात्र / छात्राओं में अनुभवात्मक सिखलाई के द्वारा संज्ञानात्मक कौशल, लोक कौशल में गुणात्मक सुधार किया जा सकें तथा युवा पीढ़ी में पुलिस मित्र बना सके । साथ ही चयनित छात्र/छात्राओं का माई भारत पोर्टल पर शीघ्रातिशीघ्र रजिस्ट्रेश प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु प्रेरित किया गया।

अधिकारियों ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों से अपील की गई

आयोजन : एक संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी। अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर श्री आलोक सिंह एवं श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी श्री आकाश कुलहरि के कुशल मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, झाँसी श्री बीबीजीटीएस मूर्ति के प्रभावी नेतृत्व में जनपद झाँसी में आज दिनांक 30.01.2026 को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-जनवरी 2026 का समापन सीकेसी अकादमी, झाँसी में आयोजित एक संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम के साथ हुआ । इस कार्यक्रम में पुलिस, प्रशासन एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं एवं आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। समापन समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, झाँसी श्री बीबीजीटीएस मूर्ति, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), क्षेत्राधिकारी यातायात, संभागीय परिवहन अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (ARTO) एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा की गई।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों से अपील की गई कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस का नहीं, बल्कि सभी नागरिकों का सामूहिक उत्तरदायित्व है और आप सभी से अनुरोध है कि प्रत्येक नागरिक हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, दुपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठकर रोड पर ना चलें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें और ट्रैफिक नियमों का पालन भी सुनिश्चित करें।

स्वागत : कानपुर में कहा- शंकराचार्य से मिलने जाऊंगा, नारे लगे- देखो शेर आया

अफसरी छोड़कर अलंकार घर पहुंचे तो मां ने गले लगाया

राजनीतिक दलों के संपर्क में रहने के सवाल पर अलंकार अग्निहोत्री ने कहा- हमारे संपर्क में सभी पॉलिटिकल पार्टी, ब्राह्मण संगठन, किसान संगठन और सवर्ण समाज, ओबीसी संगठन हैं। एससी-एसटी के संगठन भी हमारे संपर्क में हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान के विरोध में इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री शनिवार को कानपुर में अपने घर पहुंचे। केशव नगर स्थित आवास पहुंचते ही घर की महिलाओं ने शंखनाद से उनका स्वागत किया। मां गीता अग्निहोत्री ने माला पहनाकर गले से लगाया। समर्थकों ने भी अलंकार अग्निहोत्री को फूल-माला से लाद दिया। लोगों ने नारेबाजी की- देखो-देखो शेर आया। जमकर डांस किया। अलंकार ने सभी का अभिनंदन स्वीकार किया। बातचीत में अलंकार ने कहा- वह दो से तीन दिन में प्लान बनाकर शंकराचार्य से मिलने जाएंगे। फिलहाल शंकराचार्य की तरफ से दिए जाने वाले किसी पद को लेने का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा- हमारा अगला कदम देश का एक और काला कानून SC-ST एक्ट की वापसी है। 95% फर्जी शिकायतें दर्ज होती हैं। सामान्य वर्ग के ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य, भूमिहार और OBC वर्ग के लोग प्रताड़ित होते हैं। पैसों की वसूली की जाती है।

अलंकार बोले- मोदी-शाह की सोची-समझी साजिश

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा- यूजीसी रेग्यूलेशन 2026 को भारत सरकार के गजट में जारी किया गया। मैं अब साफ तौर पर नाम लेना चाहूंगा, ये मोदी और शाह की सुनियोजित, सोची-समझी साजिश है। उन्होंने एक ऐसा गजट तैयार कराया, जिससे जनरल और OBC को आपस में लड़वा सकें। साजिश रची गई कि 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को प्रभावित किया जाए। बजरंगबली का आशीर्वाद था कि हम लोगों का विवेक समय पर जाग उठा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस पर रोक लग सकी।

समर्थकों ने अलंकार अग्निहोत्री के पहुंचते ही नारेबाजी की- देखो-देखो शेर आया... फिर फूल मालाओं से लाद दिया।

गाजियाबाद में ढाबे के कर्मचारियों ने चाकू मारे ■ साथी जान बचाकर भागे

3000 खाने के बिल के लिए दो दोस्तों की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में ढाबे पर दो दोस्तों की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। ढाबे के कर्मचारियों ने वारदात को अंजाम दिया। दोनों युवक अपने तीन और दोस्त के साथ दो बाइकों से ढाबे पर पहुंचे। खाना खाया।

आरोप है कि ढाबे के कर्मचारियों ने उनसे 3 हजार का बिल मांगा। इतना बिल सुनते ही युवक भड़क गए। उनकी मालिक और कर्मचारियों से कहासुनी हो गई। गुस्से में ढाबे के कर्मचारियों ने दोनों युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। मारपीट देखकर दोनों युवकों के साथी भाग गए।

शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना खोड़ा इलाके के वैष्णो ढाबे पर शुक्रवार देर रात हुई। मृतकों की पहचान सत्यम (25) और श्रीपाल (26) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात 10 बजे वैष्णो ढाबा पर खोड़ा के रहने वाले सत्यम (25) और उसका दोस्त श्रीपाल (26) तीन और दोस्तों के साथ खाना खाने पहुंचे थे। उन्होंने वेज थाली ऑर्डर की। खाने के बाद स्टाफ ने बिल थमाया। बताया जा रहा है कि 3 हजार रुपये का बिल आया था।

सत्यम और श्रीपाल ने कहा कि बिल ज्यादा आया है। इसे लेकर ढाबे वालों से कहासुनी हो गई। कहासुनी गाली-गलौज तक जा पहुंची। ढाबा मालिक ने अन्य कर्मचारियों को बुला लिया। वे सत्यम और उसके दोस्त श्रीपाल से मारपीट करने लगे। मारपीट होते देख उनके दोस्त भाग गए। इसी दौरान ढाबे वालों ने चाकू से गोदकर दोनों की हत्या कर दी।

डीसीपी निमिष पाटिल ने बताया- शराब के नशे में झगड़ा हुआ था।

डीसीपी बोले- आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे

डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवकों ने शराब पी रखी थी। इसी दौरान ढाबे वालों से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद उनकी हत्या कर दी गई।

श्रीपाल बहराइच का रहने वाला था। उसकी बाइक रिपेयरिंग की दुकान है। उसके परिवार में दो भाई और माता -पिता हैं। वह खोड़ा के नेहरू विहार में किराए पर रह रहा था। जबकि सत्यम गाजियाबाद का ही रहने वाला था। परिवार में मां, चार भाई और एक छोटी बहन है।

इस मामले में इस मामले में ढाबा मालिक धर्मेंद्र को हिरासत में ले लिया गया है। ढाबे के कर्मचारी सचिन, राजन और एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे।

> ढाबा मालिक धर्मेंद्र ने पुलिस को पूछताछ में बताया- श्रीपाल बिल देखने के बाद गाली देने लगा। हम लोगों ने उसे मना किया लेकिन वह नहीं माना। मैंने उसे पलटे से मारा। श्रीपाल और उसका दोस्त सत्यम कर्मचारियों से मारपीट करने लगे। इसी दौरान कर्मचारी राजन और विशेष ने दोनों पर चाकू से हमला किया। दोनों जख्मी हो गए। इस बाद हम लोग भाग गए।

गैंगस्टर रवि काना को बिना आदेश रिहा किया जेलर सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

बांदा। स्क्रैप माफिया और गैंगस्टर रवि काना की बिना आदेश बांदा जेल से रिहा कर दिया गया। रिहाई की खबर बाहर आते ही महकमे में हड़कंप मच गया। 24 घंटे के अंदर की बड़ा एक्शन लेते हुए बांदा जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव को सस्पेंड कर दिया गया।

जेल प्रशासन ने शनिवार सुबह नोटिस जारी कर बताया- बांदा जेल में बंद रवि काना को बी-वारंट के बावजूद रिहा कर दिया गया। प्रशासन ने इसका जिम्मेदार जेलर को माना है। मामले में गौतमबुद्ध नगर सीजेएम कोर्ट ने भी जेल अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा है। पूछा कि आरोपी को कैसे छोड़ दिया, आप पर FIR क्यों न कराई जाए?

मामला 2026 में दर्ज एक मुकदमे से जुड़ा है। गैंगस्टर रविंद्र उर्फ रवि नागर उर्फ रवि काना के खिलाफ नोएडा सेक्टर-63 के थाने में केस दर्ज किया गया था। चूंकि, काना पहले से ही एक अन्य मामले में बांदा जेल में बंद था। इस वजह से नोएडा पुलिस ने कोर्ट में पेशी के लिए 28 जनवरी को काना के खिलाफ बी-वारंट जारी कराया। आदेश के मुताबिक, 29 जनवरी को आरोपी को बी-वारंट के जरिए अदालत में पेश किया गया। बी-वारंट का मतलब है कि जेल में बंद आरोपी को हर हाल में अदालत के सामने पेश किया जाए। पेशी के बाद शाम 6.39 बजे रवि काना को बांदा जिला कारागार से रिहा कर दिया गया। जबकि, नोएडा के मामले में उसके खिलाफ न्यायिक कार्यवाही जारी थी।

■ नोएडा कोर्ट ने पूछा- कैसे छोड़ दिया, आप पर एफआईआर क्यों न कराई जाए?

फास्ट न्यूज

तलाक महल में भीषण आग, 7 लोगों का रेस्क्यू किया

कानपुर। कानपुर के बेकनगंज थानाक्षेत्र के लाल कुआं रहमानी मार्केट में शनिवार तड़के शार्ट–सर्किट से लगी आग ने हड़कंप मचा दिया। दो मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित बिरयानी और मिठाई की तीन दुकानों में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते लपटें पहली मंजिल तक पहुंच गईं, जहां मकान मालिक और चार किराएदार फंस गए।

सांड के हमले से किसान की मौत, मचा कोहराम

मथुरा । सुरीर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गांव राजागढ़ी में खेत में खड़ी गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा रहे सांड को भगाते समय किसान पर हमला कर दिया। हमले में घायल किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। किसान की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मच गया और रो रो कर बुरा हाल हो गया। गांव राजागढ़ी निवासी किसान लोकेन्द्र उम्र करीब 35 वर्ष शनिवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे के लगभग खेत की रखवाली के लिए गया था। खेत पर पहुंचा तो आवारा सांड गेहूं की फसल में नुकसान कर रहा था।

ऑपरेशन यमुनापार-48 घंटे में 5 एनकाउंटर

आगरा। आगरा के सनसनीखेज राज चौहान हत्याकांड के बाद पुलिस ने ऑपरेशन यमुनापार शुरू कर दिया है। 48 घंटे में 5 एनकाउंटर किए। इसमें हत्याकांड को अंजाम देने में सामने आए 6 आरोपियों में पुलिस ने एक को ढेर कर दिया और 5 को हिरासत में ले लिया है। इनमें से 4 के पैर में गोली लगी हैं। 5 पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

पर्यावरण विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों का बीएल एग्रो प्लांट का औद्योगिक भ्रमण

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आज BL Agro, परसाखेड़ा, बरेली का औद्योगिक भ्रमण (Industrial Visit) आयोजित किया गया। इस भ्रमण में एम.एससी. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के कुल 50 विद्यार्थी तथा शोधार्थी (Research Scholars) शामिल हुए।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न उत्पादन इकाइयों एवं आधुनिक तकनीकों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर BL Agro के प्रतिनिधि अमोघ कुमार श्रीवास्तव ने BL Agro की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कंपनी को एक अग्रणी FMCG (Fast Moving Consumer Goods) संस्थान बताया तथा एडिबल ऑयल (खाद्य तेल) के उत्पादन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण एवं विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार कंपनी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध करा रही है।

इस दौरान विद्यार्थियों को यह जानकारी दी गई कि किस प्रकार औद्योगिक प्रक्रियाओं में पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए संसाधनों का कुशल उपयोग किया जाता है तथा अपशिष्ट प्रबंधन द्वारा पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है।

इस शैक्षणिक भ्रमण के संरक्षक प्रोफेसर ए.पी. सिंह, निदेशक, सेल्फ फाइनेंस, बरेली कॉलेज, बरेली रहे, जिन्होंने इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन प्रदान किया। भ्रमण का कार्यभार एवं दायित्व डॉ. जसपाल सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर एवं कोऑर्डिनेटर), डॉ. अनामिका अग्रवाल, डॉ. निष्ठा सेठ एवं डॉ. गौरव भूषण को सौंपा गया।

इस भ्रमण में विशेष सहयोग रिसर्च स्कॉलर्स अंजलि, मुकेश कुमार एवं हर्षित तिवारी का रहा।

> प्लांट भ्रमण को अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों को 10-10 के समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह का संचालन और मार्गदर्शन विशेष रूप से रिसर्च स्कॉलर्स द्वारा किया गया, जिससे छात्रों को प्रश्न पूछने और प्रक्रियाओं को निकट से समझने का पर्याप्त अवसर मिला।

जगन्नाथ पुरी से लौट रहे 6 की मौत

100 की स्पीड में ट्रक ने 2 ऑटो को टक्कर मारी, उछलकर 10 फीट दूर गिरे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में तेज रफ्तार ट्रक ने जगन्नाथ पुरी से लौट रही सवारियों से भरे 2 ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद लोगों ने आरोपी ट्रक चालक को पकड़कर पिटाई कर दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ऑटो उछलकर सड़क किनारे करीब 10 फीट दूर पेड़ से टकरा गए। फिर गड्ढे में जाकर पलट गए। लोगों के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। टेंपो बुरी तरह डैमेज होकर दो हिस्सों में बंट गया। उसकी छत तक उड़ गई।

टेंपो सवार सभी लोग हाथरस जिले के एक ही गांव के रहने वाले थे। वे जगन्नाथ पुरी से दर्शन कर लौटे थे और आगरा स्टेशन से अपने गांव जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक ड्राइवर नशे में था। 100 की रफ्तार में जलेसर रोड की तरफ से लहराते हुए ट्रक आ रहा था। पहले एक ऑटो को टक्कर मारी। उसे 50 मीटर तक घसीटते ले गया। इसके बाद दूसरे ऑटो को टक्कर मार दी। एडीसीपी आदित्य कुमार ने बताया- हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजा मंडी स्टेशन पर उतर गया, नहीं तो मैं भी बच नहीं पाता

इसी ग्रुप का एक युवक राम अवतार रास्ते में एक स्टेशन पहले ही उतर गया था। बात करते हुए राम अवतार ने बताया- 20 जनवरी को हमारे गांव के 8 लोग एक साथ जगन्नाथ पुरी की यात्रा पर निकले थे। पुरी दर्शन के बाद हम सभी जबलपुर गए और वहां शोलेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित यज्ञ में भाग लिया। इसके बाद 29 जनवरी को चित्रकूट गए। वहां से 30 जनवरी को हम महाकौशल एक्सप्रेस से आगरा के लिए रवाना हुए। सभी को राजा मंडी स्टेशन पर उतरना था, लेकिन हमारे ग्रुप के 7 साथी राजा मंडी से पहले ही आगरा कैंट स्टेशन पर उतर गए।

> एडिशनल सीपी राम बदन सिंह ने बताया दुखद घटना है। जानकारी के मुताबिक, दो ऑटो वाले ओवरटेक कर रहे थे। तभी सामने से डंपर आ गया था। जिससे एक्सीडेंट हो गया था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 4 लोग घायल हैं। ड्राइवर को पकड़ लिया गया है। उसका मेडिकल कराया जा रहा है। सभी यात्री जगन्नाथपुरी के दर्शन करके लौट रहे थे।

सभी मतदेय स्थलों पर प्राप्त होने वाले फार्म 6, 7 व 8 की सूचना एकत्रित की जाए : जिला निर्वाचन अधिकारी

एसआईआर के अन्तर्गत विशेष अभियान का औचक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । आज जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी ने विशेष अभियान दिवस पर बी०एल०ओ० के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नए मतदाताओं से संवाद करते हुए अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने हेतु फॉर्म-6 भरवाए जाने की अपील की।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आयोजित विशेष अभियान का जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी ने औचक निरीक्षण किया, निरीक्षित मतदेय स्थलों में पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय डी. सी. तालपुरा बूथ संख्या 227 से 230 एंव बिपिन बिहारी इंटर कालेज नया भवन झाँसी बूथ संख्या 252 से 255 का निरीक्षण किया। मौके पर इन बूथ से सम्बन्धित कार्य सुपरवाइजर द्वारा अन्य बी०एल०ओ० के सहयोग से कराया जा रहा है। इस पर उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि कार्य में संवेदनशीलता और पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए।जिला निर्वाचन अधिकारी को निरीक्षण के समय यह तथ्य संज्ञान में आया कि बी०एल०ओ० के पास कुछ फार्म डिजिटाइजेशन हेतु लम्बित हैं। उन्होंने सभी सुपरवाइजर्स को निर्देशित किया है कि अपने से सम्बन्धित सभी मतदेय स्थलों पर प्राप्त होने वाले फार्म 6, 7 व 8 की सूचना एकत्रित की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी फार्म 24 घंटे के अन्दर अनिवार्य रूप से डिजिटाइज्ड हो जाए। इसके अतिरिक्त ए०ई०आर०ओ० के द्वारा फील्ड वैरिफिकेशन के लिए जो फार्म बी०एल०ओ० को भेजे गये हैं, उनका भी सत्यापन करके एक सप्ताह के भीतर ए०ई०आर०ओ० के पोर्टल पर वापस करें। दोनों प्रकार के फार्म्स से सम्बन्धित सूचना क्षेत्रीय सुपरवाइजर द्वारा एकत्रित करके ए०ई०आर०ओ० को प्रतिदिन भेजी जाए। उन्होंने निर्देशित किया है कि प्रत्येक दिन किये गए समस्त कार्यों की पोर्टल पर समीक्षा करें और यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी फार्म Unprocessed न रहे। साथ ही यह भी निर्देश दिये कि बी०एल०ओ० द्वारा किये गए फार्म डिजिटाइजेशन कार्य की प्रतिदिन समीक्षा करें।

> जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष अभियान दिवस पर मतदेय स्थलों पर उपस्थित बी०एल०ओ० के कार्यों का किया निरीक्षण और ली जानकारी प्रत्येक बूथ पर फॉर्म-6,7 व 8 की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बीएलओ से अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी ली

जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी श्री मृदुल चौधरी ने बूथ पर उपस्थित बीएलओ से अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी ली और निर्देश दिए की सावधानी और संवेदनशीलता से कार्य करना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में उन्होंने विभिन्न बूथों पर उपस्थित सम्मानीय मतदाताओं से भी संवाद स्थापित किया और उन्हें आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित आम जनमानस से मतदाता सूची में अधिक से अधिक पात्र को शामिल करने हेतु फॉर्म छह भरकर बीएलओ को जमा कराने की सलाह दी।

सेवा प्राधिकरण ने किया वन स्टाप सेण्टर का आकस्मिक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुक्रम में श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी के दिशा निर्देशन में श्रीमती शिवानी रावत, सिविल जज सीनियर डिवीजन/सचिव, पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी द्वारा आज दिनांक-31 जनवरी 26 को माह मार्च में दिनांक-14 मार्च.2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के परिप्रेक्ष्य में ऋण वसूली मामलों के अधिकाधिक निस्तारण के उद्देश्य से ए0डी0आर0 भवन में सभी बैंक व बीमा कम्पनियों के नोडल अधिकारीगण के साथ विचार विमर्श बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बैंकों व बीमा कम्पनियों को निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक एन0पी0ए0 मामलों का चिन्हांकन कर नियमानुसार नोटिस भेजते हुये मामलों का चिन्हांकन राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु करें। इसके बाद सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के वन स्टाप सेण्टर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य केन्द्र पर संचालित हो रही विभिन्न सेवाओं, वहाँ कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति, महिलाओं व पीड़ितों को दी जा रही कानूनी, चिकित्सकीय व पुलिसीय सहायता की गुणवत्ता तथा समग्र कार्यप्रणाली का जायजा लेना था। निरीक्षण के दौरान श्रीमती शिवानी रावत ने केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया तथा वहाँ आई हुई महिलाओं व पीड़ितों से भी बातचीत कर उन्हें मिल रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

पृष्ठ 01 का शेष...

अजित के निधन के...

जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी CM की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। सुनेत्रा को राज्य उत्पादन शुल्क, खेल एवं युवा कल्याण और अल्पसंख्यक विकास/औकाफ विभाग दिए गए हैं। वहीं सीएम देवेंद्र फडणवीस ने वित्त विभाग अपने ही पास रखा है। अजित पवार की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी CM पद खाली हो गया था।

संजय निरुपम ने...

एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय की रिपोर्ट्स पर उन्होंने कहा,'दोनों एनसीपी का विलय उनका आंतरिक मामला है। इस विषय पर हमें ज़्यादा कुछ नहीं कहना चाहिए।'

अजित चाहते थे कि...

जो कुछ भी दिख रहा है, ऐसा लगता है कि ये फैसले उन्हीं ने लिए हैं। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।

डिप्टी सीएम पद के लिए सुनेत्रा पवार का नाम दिए जाने की मुझे कोई जानकारी नहीं है। उनकी पार्टी ने फैसला किया होगा। मैंने आज अखबार में देखा। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे कुछ नाम हैं जिन्होंने कुछ फैसले लेने की पहल की है। अगर परिवार में कोई समस्या होती है, तो परिवार एकजुट रहता है। परिवार में कोई समस्या नहीं है।

अजित पवार एक काबिल और समर्पित नेता थे जिन्होंने सच में लोगों के लिए काम किया। वह लोगों की समस्याओं को अच्छी तरह समझते थे और हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते थे कि लोगों को न्याय मिले।

NCP (SP) के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि बुधवार को हुए प्लेन क्रैश से पहले NCP के दोनों पक्ष बातचीत की एडवांस्ड स्टेज पर पहुंच गए थे। जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के खत्म होने के तुरंत बाद विलय की घोषणा किए जाने का प्लान था।

अजित की रणनीति यह थी कि स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान माहौल का जायजा लिया जाए और पूरी तरह से विलय की घोषणा करने से पहले दोनों पार्टियों के वोट बैंक को मजबूत किया जाए।

सूत्रों का कहना है कि विलय से कैबिनेट के गणित में मौलिक बदलाव आएगा। अगर विलय होता है, तो NCP (SP) के नेता राज्य के शासन और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस मर्जर को पश्चिमी महाराष्ट्र के शुगर बाउल पर फिर से कब्जा करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जहां BJP ने हाल के नगर निगम चुनावों में अहम पकड़ बनाई है।

विलय के बाद NCP के पास 9 लोकसभा सांसदों और 51 विधायकों का एक मजबूत संयोजन होगा, जो संभावित रूप से सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन या विपक्षी महाविकास अघाड़ी (MVA) के भीतर संतुलन बदल सकता है।

उत्तराखंड के ...

यहां सर्दी इतनी है कि कुछ देर बाहर रहने पर आंखों में पानी जम जा रहा है।

यहां कालापानी इलाके में सशस्त्र सीमा बल के जवान स्पेशल ग्लास लगाकर चीन बॉर्डर पर गश्त कर रहे हैं। यहां नदी, नाले और झरने जम गए हैं। 23 जनवरी के बाद हुई भारी बर्फबारी से नलों और प्राकृतिक स्रोतों का पानी जम चुका है। जवानों को पीने और खाना बनाने के लिए बर्फ को पिघलाना पड़ रहा है।

जम्मू-कश्मीर में तेज सर्दी के 40 दिन का फेज जिसे चिल्लई कलां कहते हैं। वह 30 जनवरी को खत्म हो गया है। इससे जम्मू-कश्मीर में कई इलाकों में रात के मिनिमम टेम्परेचर में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को श्रीनगर का तापमान 0C से बढ़कर 1.30C पहुंच गया। ये गुरुवार रात को माइनस 0.6C था।

प्रदेश के 12 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट है। जयपुर, कोटा समेत कई जिलों में सुबह से बादल छाए हैं। आज से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इसका असर पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान के जिलों में आज और कल देखने को मिलेगा। इस दौरान उदयपुर, कोटा, जयपुर, भरतपुर और अजमेर संभाग में बादल रहेंगे और तेज हवाएं चलेंगी।

लड्डू मामले में क्लीन...

YSRCP के वरिष्ठ नेता और पूर्व TTD चेयरमैन भूमना करुणाकर रेड्डी ने कहा कि CBI रिपोर्ट में तिरुपति लड्डू में कोई पशु चर्बी नहीं पाई गई। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट ने गठबंधन नेताओं के झूठे प्रचार और राजनीतिक नाटक का पर्दाफाश किया।

बीआर नायडू ने कहा कि घी के टेंडर उन कंपनियों को दिए गए जिनके पास जरूरी क्षमता नहीं थी। लगभग 60 लाख किलोग्राम मिलावटी घी खरीदा गया, जिसकी कीमत लगभग 250 करोड़ थी।

उन्होंने कहा कि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) द्वारा किए गए टेस्ट में घी में जानवरों की चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि हुई है।

चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि कुछ संस्थाओं ने एक भी गाय न होने या कोई वास्तविक उत्पादन क्षमता न होने के बावजूद घी बनाने का दावा किया।

उन्होंने कहा कि इस कथित मिलावटी घी का इस्तेमाल करके लगभग 200 मिलियन लड्डू बनाए गए, जिससे तिरुमाला मंदिर की पवित्रता को गंभीर नुकसान पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ डेयरियों को सिर्फ कमीशन के लिए चुना गया और कुछ व्यक्तियों पर जानबूझकर हिंदू समाज को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

2022 में लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट की कई शिकायतें मिली थीं। इसके बाद SIT ने जांच की थी। इसके बाद TTD ने उत्तराखंड की भोलेबाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट कर दिया था।

इसके बावजूद डेयरी मालिकों ने दूसरी डेयरी फर्मों के नाम पर टेंडर हासिल किए और घी की सप्लाई जारी रखी। इनमें वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और AR डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) शामिल हैं। ये सब सुब्बा रेड्डी के चेयरमैन रहते हुए हुआ।

इस बीच, मंगलवार को YSRCP के वरिष्ठ नेता और पूर्व TTD चेयरमैन भूमना करुणाकर रेड्डी ने तिरुपति में श्रीनिवास प्रसादा निंदा परिहार होमम (श्रीनिवास प्रसाद निंदा निवारण अनुष्ठान) किया।

बंगाल में एसआईआर...

जितने भी लोग आजादी के संघर्ष में शहीद हुए, जिन्हें फांसी के फंदे पर लटकाया गया उनका आखिरी शब्द भी वंदे मातरम् ही था। मोदी सरकार ने वंदे मातरम् के 150 साल पूरे देश में मनाने का निर्णय लिया है।

मगर विडंबना देखिए कि वंदे मातरम् का उद्भव बंगाल की माटी से हुआ, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी ने किया। उसी वंदे मातरम् पर जब संसद में चर्चा हो रही थी, तो ममता बनर्जी के सांसद उस चर्चा का विरोध कर रहे थे।

आनंदपुर में लगी आग कोई हादसा नहीं है। 25 लोगों की जान चली गई है, और 27 लोग लापता हैं। यह घटना क्यों हुई? इस मोमो फैक्ट्री में किसका पैसा लगा है? मोमो फैक्ट्री के मालिक कौन हैं? आनंदपुर गोदाम में लगी आग चिल्ला-चिल्लाकर कह रही है कि इसमें ममता बनर्जी के लोग शामिल हैं। अगर ममता बनर्जी इसे छिपाना चाहती हैं, लेकिन अप्रैल के बाद, जब बीजेपी सरकार आएगी, तो हम इस आग के दोषियों को चुन-चुनकर जेल भेजेंगे। दरअसल 26 जनवरी को आनंदपुर में एक फैक्ट्री में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी।

कारोबारी का आरोप...

सर्वे के नाम पर फर्जी तरीके से 8 लाख की डिमांड की थी। गाली देते हुए धमकाया था। लक्ष्मण दास ने कोर्ट में याचिका लगाई है।

कर्नाटक में प्रॉपर्टी...

इसके बाद मामला दर्ज कर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी ने अपने पिता भीमराज, मां जयलक्ष्मी और बहन अमृता की हत्या करने की बात कबूल कर ली।

बेन ड्वारशुइस को मौका, मिचेल मार्श कप्तानी करेंगे, 3 नए प्लेयर्स को मौका

चोटिल पैट कमिंस टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर

ऐलान

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे बैक इंजरी से रिकवर नहीं हो पाए हैं। उनकी जगह लेफ्टी पेसर बेन ड्वारशुइस को मौका दिया गया है। कमिंस के अलावा, मैथ्यू शॉर्ट भी अपनी जगह नहीं बच सके हैं। उनके स्थान पर मैट रैनशॉ को चुना गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को टीम का ऐलान किया। मिचेल मार्श को कप्तानी दी गई है। वहीं, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनली और मैथ्यू कुह्नेमन जैसे युवाओं को मौका दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 11 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

फिलहाल, ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेल रही है। टीम को पहले मैच में 22 रन की पराजय झेलनी पड़ी। सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 4:30 बजे से लाहौर में खेला जाएगा।

पैट कमिंस की वापसी टली

पिछले कुछ समय से इंजरी से परेशान रहे पैट कमिंस का नाम टीम में शामिल नहीं है। वे टीम के साथ पाकिस्तान दौर पर भी नहीं गए थे। उम्मीद की जा रही थी कि वे वर्ल्ड कप से पहले ठीक हो जाएंगे।

सिलेक्टर टोनी डोडमेडे ने कहा, 'पैट को अपनी पीठ की चोट से ठीक होने में ज्यादा समय लग रहा है, इसलिए बेन एक अच्छा रिप्लेसमेंट है। वे लेफ्ट आर्म पेस बॉलिंग के साथ-साथ शानदार फील्डिंग और लेट ऑर्डर में अच्छी बैटिंग भी कर सकता है।'

3 प्लेयर्स वर्ल्ड कप डेब्यू करेंगे

स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन, ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप टीम में मौका मिला है। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हिस्सा नहीं लिया था।

टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोयनिस अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं। ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट और बेन ड्वारिशिस जैसे गेंदबाजों पर है। एडम जम्पा और नाथन एलिस भी बॉलिंग लाइनअप का हिस्सा हैं।

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है। अपने ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत टीम है, लेकिन उसे श्रीलंका और आयरलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका के साथ 16 फरवरी को मुकाबला होगा। टीम अपना आखिरी लीग मैच 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ खेलेगी। उससे पहले उसे 13 फरवरी को जिम्बाब्वे से भी भिड़ना है।

पैट कमिंस ने एशेज सीरीज के तीसरे मुकाबले से चोट के बाद टीम में वापसी की है।

ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉड

मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोयनिश, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन, मैथ्यू रैनशॉ, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, जोश हेजलवुड, बेन ड्वारशुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन और एडम जम्पा।

टी20 वर्ल्ड कप-2026 से बाहर हुए पैट कमिंस

स्टीव स्मिथ को भी नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीन से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप-2026 के लिए अपनी अंतिम 15 सदस्यीय टीम का एलान किया। इसमें कुछ बड़े फैसले सामने आई हैं। पैट कमिंस पीठ की समस्या के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वहीं स्टीव स्मिथ को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

मैथ्यू शॉर्ट को टीम से बाहर किया गया है। उनकी जगह मैट रेनशॉ वर्ल्ड कप खेलते हुए नजर आएंगे। जॉश हेजलवुड, टिम डेविड, नाथन एलिस ने वर्ल्ड कप के फिटनेस टेस्ट को पास कर लिया है। हेजलवुड मांसपेशियों की समस्या के कारण एशेज सीरीज से पहले से बाहर थे। डेविड ने भी इसी समस्या के कारण बीबीएल में हिस्सा नहीं लिया और न ही वह इस समय पाकिस्तान के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज का हिस्सा हैं। कमिंस को पहले घोषित की गई 15 सदस्यी प्रोविजनल टीम में जगह मिली थी जिसमें ये बताया गया था कि वह शुरुआती मैचों से दूर रहेंगे,लेकिन बाद में खेलेंगे। अब ये साफ हो गया है कि वह वर्ल्ड कप नहीं खेल पाएंगे। एशेज सीरीज के दौरान उन्हें चोट लगी थी। उन्होंने अपना आखिरी मैच दिसंबर में एडिलेड में खेला था। बेन ड्वारशुइस को टीम में जगह मिली है। वह प्रोविजनल टीम में नहीं थे। बाएं हाथ के इस गेंदबाज के आने से टीम के पास वैरिएशन होगा। वहीं शॉर्ट को खराब फॉर्म के कारण बाहर किया गया है।

इंग्लैंड के कप्तान ने हैरी ब्रूक ने बोला बहुत बड़ा झूठ

खुद खोल दिया बहुत बड़ा राज, नाइटक्लब में लड़ाई का है मामला

नई दिल्ली। इंग्लैंड के सीमित ओवरों की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने माना है कि पिछले साल वेलिंग्टन नाइट क्लब में हुए मामले को लेकर उन्होंने झूठ बोला था। ब्रूक ने कहा है कि उन्होंने अपने टीम के साथी को बचाने के लिए ये कदम उठाया था। ब्रूक का ये बयान उनके पुराने बयान का यू-टर्न है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह उस रात को अकेले थे।

मामला 31 अक्टूबर की रात वेलिंग्टन का है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले आखिरी मुकाबले से एक दिन पहले ब्रूक का नाइटक्लब में बाउंसरों से विवाद हो गया था। ब्रूक ने कहा था कि वह इस झगड़े में अकेले थे। श्रीलंका के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में जीत के बाद ब्रूक ने माना है कि वह बाकी टीम के साथी भी थे

और उन्हें बचाने के लिए उन्होंने सारा इल्जाम अपने कंधे पर लेने का फैसला किया था। ब्रूक ने एक बयान में कहा है कि वेलिंग्टन में जो हुआ वो उसकी पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और उन्होंने ये भी बताया कि वहां बाकी लोग मौजूद थे। ब्रूक ने बयान में कहा, ₹वेलिंग्टन में जो हुआ मैं उसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और इस बात को कबूल करता हूं कि उस शाम को और खिलाड़ी भी मौजूद थे। मुझे अपने पुराने बयान पर खेद है, लेकिन मेरी मंशा अपनी टीम के साथियों को बचाने की थी ताकि वो उस समस्या में नहीं फंसे जो मैंने खड़ी की है।

ब्रूक ने ये कबूलनामा द टेलीग्राफ में छपी एक रिपोर्ट के बाद किया है जिसमें खुलासा किया गया है कि जैकब बैथल और जॉश टंग पर जुर्माना लगया गया है और क्रिकेट चालकों के द्वारा जांच के घेरे में हैं। ब्रूक ने कहा है अपने किए पर माफी भी मांगी है। उन्होंने कहा, ₹मैंने इसके लिए माफी मांगी है और मैं लगातार इस मामले पर अपनी बात रखता रहूंगा।

पीसीबी की तरफ से हुए 'लीक' ने खत्म कर दिया उसका सारा नाटक

नई दिल्ली। पाकिस्तान का भारत और श्रीलंका की मेजबानी में अगले महीने खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप-2026 में खेलना पक्का नहीं है। बांग्लादेश को इस टूर्नामेंट में से निकाले जाने के बाद पाकिस्तान ने भी ऐसा कहा था कि वह इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले सकता है। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से एक प्रेस रिलीज लीक हो गई जिसने स्थिति साफ कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया है कि पाकिस्तान की टीम दो फरवरी को श्रीलंका के लिए उड़ान भरेगी। जिस फ्लाइट में पाकिस्तान की टीम होगी उसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम भी होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस समय पाकिस्तान में टी20 सीरीज खेल रही है तो ऐसे में दोनो टीमें साथ में ही वर्ल्ड कप के लिए रवाना होंगी। इससे पाकिस्तान के वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने की बात पर से सस्पेंस खत्म हो गया।

इंग्लैंड ने पहले मुकाबले में श्रीलंका को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

सैम करन टी-20आई में हैट्रिक लेने वाले दूसरे इंग्लिश क्रिकेटर

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी-20 मुकाबले में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 11 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण मुकाबला तय समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके चलते ओवरों में कटौती कर इसे 17-17 ओवर का मैच कर दिया गया।

शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 15 ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बना लिए थे, तभी

सैम करन ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार तीन विकेट लिए।

बारिश ने फिर से खलल डाल दिया और आगे का खेल संभव नहीं हो सका।

डकवर्थ-लुईस नियम के अनुसार इंग्लैंड उस समय टारगेट से आगे था, जिसके चलते मुकाबला इंग्लैंड के नाम रहा। गेंदबाजी में सैम करन और आदिल रशीद ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें करन ने हैट्रिक ली।

सैम करन ने दासुन शनाका, महीश तीक्षणा और माथीश पथिराना के विकेट लिए।

इंग्लैंड के लिए ओपनर फिलिप सॉल्ट ने 35 गेंदों में 46 रन, वहीं टॉम बैंटन ने 15 गेंदों में 29 रन की पारी खेली। श्रीलंका के लिए ईशान मलिंगा ने 2 विकेट, महीश तीक्षणा और कप्तान दसुन शनाका ने 1-1 विकेट लिया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 1 फरवरी को पल्लेकेले में ही खेला जाएगा।

सैम करन की हैट्रिक

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद श्रीलंका की टीम 16.2 ओवरों में 133 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस ने 37 जबकि पाथुम निसांका ने 23 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें आदिल रशीद और सैम करन ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

सैम करन ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर दासुन शनाका, महीश तीक्षणा और माथीश पथिराना को आउट करते हुए हैट्रिक पूरी की। वे टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने। इससे पहले क्रिस जॉर्डन ने 2024 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

मनोरंजन

धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही चांद मेरा दिल, अनन्या और लक्ष्य पहली बार शेयर कर रहे हैं स्क्रीन्स

सिनेमाघरों का दीदार करने वाली है 'चांद मेरा दिल' फिल्म

नई दिल्ली। बैड्स ऑफ बॉलीवुड सीरीज से तारीफें बटोरने वाले लक्ष्य लालवानी अपनी अपकमिंग फिल्म की तैयारी में हैं। वह अनन्या पांडे के साथ 'चांद मेरा दिल' में नजर आने वाले हैं।

पिछले साल ही 'चांद मेरा दिल' मूवी का ऐलान कर दिया गया था। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी कर रहे हैं। फिल्म में लक्ष्य और अनन्या ऑन-स्क्रीन रोमांस करते हुए नजर आने वाले हैं। अप्रैल के महीने में सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान (Battle of Galwan) रिलीज हो रही है। फिलहाल,

अनन्या पांडे और लक्ष्य की म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा का सामना अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला (Bhoot Bangla) से होगी जो 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लक्ष्य लालवानी के लिए 'चांद मेरा दिल' दूसरी बड़ी फिल्म है जो सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। उनकी डेब्यू फिल्म किल थी जिसका निर्माण भी करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले ही किया गया था।

बदली गई चांद मेरा दिल की रिलीज डेट

पहले 'चांद मेरा दिल' इसी साल अप्रैल के महीने में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला था, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट बदल गई है। जो लोग फिल्म को देखने के लिए बेताब हैं, वो उन्हें थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। तरण आदर्श के मुताबिक, यह फिल्म अब अप्रैल नहीं बल्कि मई के महीने में बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने 'चांद मेरा दिल' की नई रिलीज डेट बताई है। अनन्या पांडे और लक्ष्य की फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को पोस्टपोन करने की वजह सामने नहीं आई है।

मूड के हिसाब से बदलता है ऐश्वर्या राय की आंखों का रंग

देखते ही डायरेक्टर भी हो गए थे दंग

नई दिल्ली। मिस वर्ल्ड रह चुकीं ऐश्वर्या राय की ब्यूटी के आगे बड़ी-बड़ी हीरोइनें भी फेल हो जाती हैं। वह जब से सिनेमा में आई हैं, तब से वह सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि खूबसूरती से हर किसी का दिल चुरा रही हैं, खासकर उनकी अट्रैक्टिव आंखें। ऐश्वर्या राय की आंखें उनकी सुंदरता में चार-चांद लगाते हैं। जब वह पहली बार एक ऐड में आई थीं तो लोग उनकी खूबसूरत आंखों के कायल हो गए थे। मगर क्या आपको मालूम है कि ऐश्वर्या की आंखों का रंग बदलता है? नहीं, ना! चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

ऐश्वर्या राय की आंखों का रंग ग्रीन और ब्लू का मिक्स्चर बताया जाता है। हालांकि, आपको

शायद ही मालूम होगा कि उनके मूड के हिसाब से यह रंग बदलता रहता है। यह हम नहीं, बल्कि उस डायरेक्टर का कहना है जो ऐश्वर्या के साथ काम कर चुके हैं। यह डायरेक्टर प्रह्लाद कक्कड़ हैं। प्रह्लाद कक्कड़ के साथ ऐश्वर्या राय ने 1993 में एक पेप्सी का ऐड किया था। यही वो ऐड था, जिसने एक्ट्रेस ओवरनाइट सेंसेशन बन गई थीं और उनके बारे में जानने के लिए डायरेक्टर के पास 5000 कॉल्स आए थे।

अखबार से मिली पिता की मौत की खबर, अंडरवर्ल्ड डॉन के खिलाफ गवाही देने वाली इकलौती सेलिब्रिटी, मुफ्त के 600 करोड़ ठुकराए

51 साल की हुई प्रीति जिंटा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा आज 51 साल की हो गई हैं। फिल्म 'दिल से' से करियर की शुरुआत करने वाली प्रीति ने दिल चाहता है, कल हो ना हो, कोई मिल गया, वीर-जारा और कभी अलविदा ना कहना जैसी कई फिल्मों में काम किया। प्रीति का जन्म एक हिमाचली राजपूत परिवार में हुआ। उनके पिता दुर्गानंद जिंटा भारतीय सेना में अधिकारी थे। बचपन से पिता की डिसिप्लिन वाली लाइफस्टाइल ने एक्ट्रेस की पर्सनैलिटी पर गहरी छाप छोड़ी, लेकिन जब प्रीति 13 साल की थीं, तब उनके पिता का एक कार एक्सीडेंट में निधन हो गया। उस कार में उनकी मां नीलप्रभा भी थीं। किस्मत से उनकी जान बच गई, लेकिन उनके शरीर की लगभग हर हड्डी, यहां तक कि रीढ़ की हड्डी भी टूट गई। वह करीब एक साल तक बिस्तर पर रहीं।

सिक्का उछाल फिल्मों में आने का किया था फैसला

प्रीति एक ऑडिशन के लिए गई थीं, तभी उनकी मुलाकात फिल्ममेकर शेखर कपूर से हुई। वो सीढ़ियों से उतर रही थीं, हाथ में दो किताबें थीं। तभी शेखर ने उनसे पूछा, "आप ऑडिशन में क्या करना चाहेंगी?"प्रीति ने सीधा कहा, "मैं ऑडिशन देने नहीं आई हूं।" शेखर ने माइक लेकर सबके सामने बोल दिया कि ये लड़की ऑडिशन देने आई है, लेकिन घबरा गई है। प्रीति का चेहरा लाल हो गया और उन्होंने आखिरकार ऑडिशन दे ही दिया। दो हफ्ते बाद शेखर कपूर ने उन्हें बुलाया और कहा, "क्या आप मेरे साथ ये फिल्म (ता रा रम पम पम) करेंगी?" प्रीति को यकीन ही नहीं हुआ, उन्होंने सिक्का उछाल करके फिल्मों में काम करने का फैसला किया। हालांकि, यह फिल्म नहीं बन पाई। प्रीति जिंटा बचपन से ही बहुत निडर और शरारती थीं। एक बार उनका अपने बड़े भाई से झगड़ा हो गया। गुस्से में उन्होंने पत्थर उठाकर भाई के सिर पर मार दिया। भाई रोने लगा। तब प्रीति को अपने पापा की बात याद आ गई। उनके पापा हमेशा कहते थे, "राजपूत रोते नहीं हैं।"

दिलचस्प तरीके से हुई करियर की शुरुआत

साल 1996 में प्रीति अपने एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में गई थीं। वहीं उनकी मुलाकात एक ऐड फिल्ममेकर कुणाल से हुई। बातों-बातों में कुणाल को प्रीति की पर्सनैलिटी इतनी पसंद आई कि दो दिन बाद उन्होंने फोन कर कहा कि उन्होंने एक चॉकलेट का ऐड प्रीति को ध्यान में रखकर लिखा है और उन्होंने प्रीति को ऑडिशन के लिए बुलाया। प्रीति थोड़ी घबराई हुई थीं, लेकिन उन्होंने सोचा कि ऑडिशन देने से क्या नुकसान होगा? वहां बस चार-पांच लोग होंगे और बात खत्म हो जाएगी, लेकिन जब वह ऑडिशन के लिए पहुंचीं, तो वहां करीब 50 लड़कियां खड़ी थीं।

किताब नहीं थी, फिर भी सब्जेक्ट में टॉप किया

टीवी शो जीना इसी का नाम है में प्रीति की मां ने बताया था कि प्रीति स्कूल में तो खूब पढ़ती थीं, लेकिन घर आकर किताबें कम खोलती थीं। जब उनकी मां को दसवीं के इंग्लिश पेपर से एक दिन पहले पता चला कि प्रीति के पास इंग्लिश की किताब ही नहीं है, तो वो बहुत घबरा गईं और तुरंत बाजार से किताब लाकर दी। प्रीति को कोई घबराहट नहीं थी, लेकिन मां को लग रहा था कि अब ये फेल हो जाएगी। पर जब रिजल्ट आया तो सब हैरान रह गए क्योंकि प्रीति पूरे हिमाचल प्रदेश में इंग्लिश में फर्स्ट आई थीं। स्कूल के बाद प्रीति ने शिमला के सेंट बीड्स कॉलेज से अंग्रेजी में ऑनर्स किया और फिर साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन और क्रिमिनल साइकोलॉजी की पढ़ाई की। एक्टिंग में जाने की उनकी प्लानिंग नहीं थी, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

पाकिस्तानी पीएम बोले दूसरे देशों के सामने हमारा सिर झुका रहता है, उनकी शर्तें मानना हमारी मजबूरी

कर्ज मांगने में अब शर्म आती है : पीएम शहबाज

संबोधन

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने विदेशी कर्ज पर देश की बढ़ती निर्भरता को लेकर खुलकर नाराजगी जताई है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक शहबाज ने राजधानी इस्लामाबाद में कारोबारी नेताओं को संबोधित करते हुए माना कि देश की बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें बारबार विदेशी दौरों पर जाकर कर्ज मांगना पड़ा।

उन्होंने कहा, "मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और मैं दुनियाभर में पैसे मांगने जाते हैं तो हमें शर्म आती है। कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें कॉम्प्रोमाइज करना पड़ता है। कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते।" सऊदी अरब ने दिसंबर 2024 में पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक में 3 अरब डॉलर जमा कराए। इसके बाद साल 2025 में पाकिस्तान को करीब 1.2 अरब डॉलर का तेल उधार पर दिया गया, ताकि तुरंत भुगतान का दबाव न पड़े।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ मलेशिया में एक बिजनेस इवेंट को संबोधित करते हुए। तस्वीर अक्टूबर 2025 की है।

चीन ने पाकिस्तान को राहत देने के लिए उसका कर्ज लौटाने की समय-सीमा बढ़ा दी है। साल 2024-25 में यह मदद करीब 4 अरब डॉलर की मानी जा रही है। इसके अलावा चीन ने पाकिस्तान में बिजली परियोजनाओं, सड़कों, बंदरगाहों और दूसरे ढांचागत कामों में 60 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है।

> मैं कैसे ये बात बताऊं कि मैंने और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने किस तरह दोस्त मुल्कों से कर्ज मांगा है। हालांकि उन्होंने हमें मायूस भी नहीं किया। लेकिन आप जानते हैं कि जो कर्ज लेने जाता है, उसका सिर झुका हुआ होता है।
> - शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री, पाकिस्तान

शहबाज बोले- पाकिस्तान को अब दूसरे रास्ते तलाशने की जरूरत

शहबाज ने यह भी कहा कि कर्ज का बोझ देश की इज्जत पर भारी पड़ रहा है और अब वैकल्पिक आर्थिक रास्ते तलाशने की जरूरत है। उनका बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान IMF से मदद और पुराने कर्ज को रोलओवर (आगे बढ़ाने) की कोशिश कर रहा है। पीएम शहबाज के बयान से जाहिर है कि पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय मदद पर बहुत ज्यादा निर्भर हो चुका है। शहबाज ने चीन को "हर मौसम का दोस्त" बताया और कहा कि सऊदी अरब, यूएई और कतर ने भी अच्छे-बुरे हर वक्त में पाकिस्तान का साथ दिया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इन्हीं देशों के सहारे टिकी हुई है। यही देश विदेशी मुद्रा भंडार को संभालने और भुगतान संतुलन संकट से बचाने में मदद कर रहे हैं।

पाकिस्तान में 80 लाख से ज्यादा लोग बेरोजगार

प्रधानमंत्री ने देश में बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी पर भी चिंता जताई। उन्होंने माना कि रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन पर पर्याप्त काम नहीं हुआ।

पाकिस्तान में गरीबी बढ़कर आबादी के करीब 45% तक पहुंच गई है। इसकी वजह महंगाई, बाढ़ और आर्थिक अस्थिरता है। बेरोजगारी दर करीब 7.1% हो चुकी है और 80 लाख से ज्यादा लोग बेरोजगार हैं।

2018 में जहां 21.9% लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, अब यह आंकड़ा करीब 45% बताया जा रहा है। अत्यधिक गरीबी 4.9% से बढ़कर 16.5% तक पहुंच गई है। पाकिस्तान का निर्यात अब भी कपड़ा उद्योग पर निर्भर है। सॉफ्टवेयर, कृषि और पशुपालन में संभावना है, लेकिन ढांचागत कमजोरियां और कम उत्पादकता विकास में बाधा हैं। देश पर कुल सरकारी कर्ज मार्च 2025 तक 76,000 अरब रुपये से ज्यादा हो चुका है, जो चार साल में लगभग दोगुना हो गया। पाकिस्तान कर्ज चुकाने और डिफॉल्ट से बचने के लिए बार-बार IMF और चीन पर निर्भर है।

आरकॉम के पूर्व प्रेसिडेंट पुनीत गर्ग गिरफ्तार

ईडी ने 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड में अरेस्ट किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (RCOM) के पूर्व प्रेसिडेंट पुनीत गर्ग को गिरफ्तार कर लिया है। पुनीत पर अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों के जरिए बैंकों के साथ करीब 40,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप है।

शुक्रवार को ईडी ने बताया कि दिल्ली की एक विशेष अदालत ने गर्ग को 9 दिनों की ईडी कस्टडी में भेज दिया है। पुनीत गर्ग को गुरुवार को हिरासत में लिया गया था।

पुनीत गर्ग रिलायंस कम्युनिकेशंस में लंबे समय तक डायरेक्टर और प्रेसिडेंट जैसे बड़े पदों पर रहे। ईडी का दावा है कि गर्ग 2001 से 2025 तक कंपनी में सक्रिय रहे।

इसी दौरान उन्होंने बैंक धोखाधड़ी से मिले पैसों को छिपाने, ठिकाने लगाने और उनकी लेयरिंग करने में अहम भूमिका निभाई। जांच एजेंसी के मुताबिक, गर्ग को पूरी जानकारी थी कि लोन का पैसा कहां और कैसे डायवर्ट किया जा रहा है।

जांच एजेंसी ने अपनी स्टेटमेंट में कहा कि आरकॉम और उसकी ग्रुप कंपनियों ने बैंकों से लिए गए हजारों करोड़ के लोन को सही जगह इस्तेमाल करने के बजाय डायवर्ट कर दिया।

आरोप है कि इस पैसे को कई विदेशी सब्सिडियरी और संस्थाओं के जरिए घुमाया गया।

फास्ट न्यूज

अमेरिका में लगा आंशिक शटडाउन

नई दिल्ली। अमेरिका में संसद तमाम एजेंसियों के संचालन के लिए बजट 2026 को पास करने की आधी रात की डेडलाइन से चूक गई, जिसके चलते अमेरिकी सरकार में शनिवार को आंशिक शटडाउन हो गया। सांसदों ने बताया कि यह शटडाउन छोटा हो सकता है, क्योंकि उम्मीद है कि हाउस अगले हफ्ते की शुरुआत में सीनेट समर्थित फंडिंग डील को मंजूरी दे देगा।

एनएसई को 10 साल बाद सेबी से आईपीओ की मंजूरी

मुंबई। दस साल की कानूनी लड़ाई के बाद देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज NSE को IPO लाने का क्लियरेंस मिल गया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने IPO फाइल करने के लिए NOC जारी कर दी है। अब NSE आधिकारिक तौर पर मर्चेंट बैंकर और लॉ फर्म्स के साथ मिलकर अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस तैयार कर सकेगी। 8-9 महीने में NSE का IPO लॉन्च हो सकता है। NSE ने पहली बार 2016 में IPO के लिए DRHP फाइल किया था, लेकिन रेगुलेटरी और लीगल मुद्दों की वजह से वापस लेना पड़ा था।

500 किलो विस्फोटक के धमाके से की कंस्ट्रक्शन की शुरुआत

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन एक बार फिर अपने अजीब और सख्त तरीकों को लेकर चर्चा में हैं। देश में एक बड़े निर्माण प्रोजेक्ट की शुरुआत उन्होंने करीब 500 किलो विस्फोटक से धमाके कराकर की। यह कोई हादसा नहीं था, बल्कि सरकार की तरफ से आयोजित एक 'सेलिब्रेटरी-ब्लास्ट' था, जिसे विकास और ताकत का प्रतीक बताया गया।

फास्टैग के लिए केवाईवी प्रोसेस आज से खत्म होगी

वाहन मालिकों को बार-बार अपडेट नहीं करना पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई कार, जीप और वैन के लिए कल (1 फरवरी) से फास्टैग जारी करते समय अब KYV (नो योर व्हीकल) प्रोसेस की जरूरत नहीं होगी। नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने नई कार के लिए KYV प्रोसेस बंद करने का फैसला किया है।

साथ ही, जिन कारों पर पहले से फास्टैग लगा है, उनके मालिकों को भी अब रुटीन KYV कराने की जरूरत नहीं होगी। इससे वाहन मालिकों को वैलिड डॉक्युमेंट होने के बावजूद लंबी वेरिफिकेशन प्रक्रिया के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार के इस कदम का उद्देश्य फास्टैग एक्टिव होने के बाद होने वाली परेशानी को खत्म करना है। पहले यूजर्स को अक्सर शिकायत रहती थी कि टैग एक्टिव होने के बाद भी बैंक या अथॉरिटी की ओर से वेरिफिकेशन के नाम पर देरी की जाती है। नई गाइडलाइन के बाद अब फास्टैग को बार-बार अपडेट करने की जरूरत खत्म हो जाएगी।

अथॉरिटी के अनुसार, KYV की प्रक्रिया को पूरी तरह खत्म नहीं किया गया है, बल्कि इसे 'जरूरत आधारित' बना दिया गया है। अब सिर्फ KYV तभी मांगा जाएगा, जब किसी फास्टैग के गलत इस्तेमाल, गलत तरीके से जारी होने या उसके लूज होने की कोई शिकायत मिलेगी। सामान्य तौर पर काम कर रहे फास्टैग के लिए अब किसी तरह के डॉक्युमेंट की दोबारा मांग नहीं की जाएगी।

74 करोड़ कीमत, 54 साल पहले अमेरिकी अभिनेत्री को उनके पांचवें पति ने गिफ्ट किया था

हॉलीवुड एक्ट्रेस ने नूरजहां का ताज-महल नेकलेस पहना

कैलिफोर्निया, एजेंसी

हॉलीवुड एक्ट्रेस मार्गोट रॉबी ने बेगम नूरजहां का 400 साल पुराना नेकलेस (हार) पहना जिसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। वह अपनी आगामी फिल्म 'वुथरिंग हाइट्स' के प्रचार के लिए बुधवार को रेड कार्पेट पर ग्लैमरस लुक में दिखीं।

रॉबी ने लॉस एंजिल्स में फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर पर एक शानदार गाउन पहना था। यह लुक बेहद खूबसूरत और विंटेज स्टाइल का था, लेकिन असली सुर्खियां बटोरीं उनके नेकलेस ने।

यह 69.42 कैरेट का हार्ट शेप का टेबल-कट डायमंड है और इसे गोल्ड और रूबी से बनी कार्टियर चेन में सेट किया गया है। इस नेकलेस की कीमत लगभग 8 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपये) बताई जा रही है।

हॉलीवुड एक्ट्रेस मार्गोट रॉबी अपनी फिल्म वुथरिंग हाइट्स का प्रमोशन करती हुईं।

यह नेकलेस 54 साल पहले, 1972 में अमेरिकी एक्ट्रेस एलिजाबेथ टेलर के पांचवें पति रिचर्ड बर्टन ने उनके 40वीं जन्मदिन पर गिफ्ट किया था।

नूरजहां मुगल साम्राज्य की सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली बेगम थीं। कहा जाता है कि वह मुगल सम्राट जहांगीर की 20वीं पत्नी थी। उन्होंने 1611 में मुगल सम्राट जहांगीर से शादी की। जहांगीर ने उन्हें पहले नूर महल (महल की रोशनी) और बाद में नूरजहां (दुनिया की रोशनी) का खिताब दिया। वह मुगल इतिहास में इकलौती ऐसी बेगम थीं जिनके नाम पर सिक्के ढाले गए, फरमान जारी किए गए और उन्होंने दरबार में जहांगीर के साथ बैठकर शासन चलाया। नूरजहां मुगल दरबार में फैशन और स्टाइल की रानी मानी जाती थीं। उन्होंने खुद डिजाइनर की तरह काम किया और कई नए फैशन ट्रेंड शुरू किए।

उन्होंने नूरमहली ड्रेस जैसी खास पोशाकें डिजाइन कीं, जो हल्की, फ्लोरल पैटर्न वाली कॉटन और मलमल से बनी होती थीं। उन्होंने बदला किनारी, पंचतोलिया (पांच रंगों वाली महीन कपड़े) और दुदामी जैसे नए टेक्सटाइल और फैब्रिक्स को पॉपुलर किया।

जहांगीर ने नूरजहां को गिफ्ट किया था यह नेकलेस

ताज महल डायमंड की असली कहानी और भी रोचक है। इसे मुगल सम्राट शाह जहांगीर ने अपनी पत्नी नूरजहां को गिफ्ट किया था।

यह दिल के आकार का डायमंड 17वीं सदी का है, जिस पर फारसी भाषा में 'प्यार हमेशा बना रहता है' लिखा है। इस पर नूरजहां का नाम भी उकेरा गया है।

बाद में यह उनके बेटे शाहजहां के पास पहुंचा, जिन्होंने इसे अपनी पत्नी मुमताज महल को दिया।

लॉस एंजिल्स के टीसीएल चाइनीज थिएटर में बुधवार को फिल्म वुथरिंग हाइट्स के वर्ल्ड प्रीमियर पर मार्गोट ने ताज महल नेकलेस पहना था

अल्बर्टा को आजाद देश बनाने की कोशिश में अलगाववादी, पीएम कार्नी बोले- आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं

दावा : कनाडा के दुश्मनों से मिले अमेरिकी अधिकारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में एक नया विवाद शुरू हो गया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारियों ने कनाडा के अल्बर्टा प्रांत को अलग देश बनाने की मांग कर रहे अलगाववादी समूह के नेताओं से मुलाकात की।

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल अप्रैल से अब तक अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी तीन बार अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिले। ये नेता अल्बर्टा को कनाडा से अलग कर एक स्वतंत्र देश बनाने की वकालत कर रहे हैं।

कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को फोन कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी प्रशासन कनाडा के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देगा। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रम्प की सत्ता में वापसी को अलगाववादी अल्बर्टा को अलग करने के लिए सही समय मान रहे हैं।

कनाडा से अलग क्यों होना चाहता है अल्बर्टा

अल्बर्टा पश्चिमी कनाडा का तेल-समृद्ध प्रांत है। इसकी आबादी करीब 50 लाख है।CNN की रिपोर्ट के मुताबिक यहां कनाडा के कुल कच्चे तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है। यह प्रांत लंबे समय से खुद को एनर्जी प्रांत" के रूप में देखता रहा है। अलगाववादियों का कहना है कि कनाडा सरकार की जलवायु नीतियां अल्बर्टा के तेल उद्योग को नुकसान पहुंचा रही हैं। उनका आरोप है कि अल्बर्टा से सरकार को भारी टैक्स मिलता है, जबकि बदले में राज्य को कम आर्थिक सहायता मिलती है। रिपोर्च के मुताबिक अल्बर्टा में लोग परंपरावादी है, जबकि कनाडा के दूसरे राज्यों में उदार आबादी ज्यादा है। इससे उनकी रूढ़िवादी आवाज दब जाती है।

कार्नी ने कहा कि अल्बर्टा का मुद्दा सिर्फ कनाडा और उसके नागरिकों से जुड़ा है। (फाइल फोटो)

जनमत संग्रह की मांग कर रहे अलगाववादी

कनाडा से आजादी की मांग कर रहे इस समूह का नाम अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट (APP) है। यह संगठन अल्बर्टा की आजादी के लिए जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराने की मांग कर रहा है।

APP के नेता और को-फाउंडर जेफ्री रथ ने अल्बर्टा की आजादी के लिए अमेरिका से 500 मिलियन डॉलर की मदद मांगी है। उन्होंने 23 जनवरी को X पर पोस्ट कर बताया कि वे अगले महीने अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

क्रैश हुई चांदी, 1.10 लाख गिरकर 2.91 लाख पर आई

सोना 20 हजार रुपए सस्ता, 1.49 लाख रुपए पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

गोल्ड और सिल्वर मार्केट 30 जनवरी को क्रैश हो गया। प्रॉफिट बुकिंग के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर चांदी 1.10 लाख रुपए (27%) गिर गई। अब 1 किलो चांदी 2.91 लाख रुपए में मिल रही है। एक दिन पहले यानी 29 जनवरी को चांदी 4.01 लाख रुपए प्रति किलो में मिल रही थी। MCX पर सोने में भी 20 हजार रुपए (12%) की गिरावट रही। 10 ग्राम सोना 1.49 लाख रुपए पर आ गया। 29 जनवरी को सोना 1.69 लाख रुपए पर था। प्रॉफिट बुकिंगः सोने-चांदी की कीमत हाल के दिनों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुक किया। ऑल टाइम हाई के बाद फिजिकल डिमांड कमजोर हुई, साथ ही औद्योगिक उपयोग को लेकर चिंताएं भी बढ़ीं। सेबी रजिस्टर्ड कमोडिटी एक्सपर्ट अनुज गुप्ता ने कहा कि शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज (CME) ने कॉपर के बाद अब सोने और चांदी पर भी मार्जिन मनी बढ़ा दी है। सोने पर मार्जिन 6% से बढ़ाकर 8% कर दिया है। वहीं चांदी पर इसे 11% से बढ़ाकर 15% कर दिया गया है। मार्जिन बढ़ने से कीमतों पर दबाव बने रहने की उम्मीद है। सर्राफा बाजार में चांदी 40,638 रुपए और सोना 9,545 रुपए सस्ता हुआ है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 3,39,350 रुपए किलो पर आ गई है।

खुलासा : सालभर में 23 हजार लोग गिरफ्तार हुए, तुर्किये-दुबई रूट से यूएस में एंट्री का ट्रेंड बढ़ा

अमेरिका में डंकी रूट से रोज 65 भारतीय पकड़े गए

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, एजेंसी

- विभाग के मुताबिक एंट्री के मामले घटे हैं, लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लगी है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में 2024 में कुल 85,119 भारतीय पकड़े गए थे।
- अधिकारियों ने बताया कि इस बार एक नया ट्रेंड भी सामने आया है। अमेरिका में एंट्री करते पकड़े गए सभी भारतीय सिंगल एंटिटी यानी अकेले ही थे।

अमेरिका में डंकी रूट से एंट्री करने के मामले में बीते एक साल में हर रोज 65 भारतीय पकड़े गए। जनवरी से दिसंबर 2025 के आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी बॉर्डर एंड कस्टम ने कुल 23,830 भारतीयों को पकड़ा।

कोई भी भारतीय परिवार के साथ नहीं पकड़ा गया। जबकि 2024 में पकड़े गए भारतीयों में से करीब 20 हजार भाई, पत्नी या बच्चों के साथ अमेरिका में अवैध रूप से एंट्री कर रहे थे। वहीं अमेरिका में कनाडा और मैक्सिको बॉर्डर के बजाय अब तुर्किये-दुबई रूट से अवैध एंट्री के मामले सामने आ रहे हैं।

सबसे पहले डंकी को कनाडा के लिए टूरिस्ट वीजा अप्लाय करना होता है, जिससे भारत से कनाडा तक आसानी से पहुंचा जा सके। कनाडा के टोरंटो पहुंचने पर डंकी को एजेंट के कॉल के इंतजार में कई दिनों तक होटल में रुकना पड़ता है।

एजेंट डंकी को टोरंटो से 2,100 किलोमीटर दूर मनितोबा प्रॉविंस तक लेकर जाता है। मनितोबा में सर्दी इतनी ज्यादा होती है कि आंखों से निकले आंसू पलकों पर ही जम जाते हैं।

डंकी को मनितोबा से 1,834 किमी दूर एमरसन गांव पहुंचाया जाता है। यह गांव कनाडा और अमेरिका बॉर्डर पर है। यहां से डंकी -40 डिग्री की जानलेवा सर्दी में पैदल चलकर अमेरिका पहुंचते हैं। इस रास्ते में घुटनों तक बर्फ जमी होती है और दूर-दूर तक कोई इंसान नजर नहीं आता। डंकी 49वें पैरलल बॉर्डर पर पहुंचते हैं। भारत में डंकी रूट का सबसे आम रास्ता रास्ता साउथ अमेरिका होते हुए अमेरिका पहुंचाता है, लेकिन इस रास्ते में घने जंगल, पहाड़, नदियां और रेगिस्तान पार करना होता है।

कनाडा-मैक्सिको बॉर्डर पर 8 हजार से ज्यादा भारतीय पकड़े गए

कनाडा बॉर्डर पर साल 2025 में 6968 जबकि मैक्सिको बॉर्डर पर 1543 भारतीय पकड़े गए। सबसे ज्यादा 15,319 दूसरे अमेरिकी शहरों से भारतीय पकड़े गए। सूत्रों के मुताबिक तुर्किये-दुबई रूट से फ्लाइट के द्वारा सीधे अमेरिका में एंट्री कराई जाती है। ज्यादातर केस अमेरिका में वेकेशन वीसा के नाम पर एंट्री और फिर स्टे अवधि को जम्प करने के आ रहे हैं। अमेरिका से 2025 के दौरान कुल 3254 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। ये संख्या 2009 के बाद से सबसे ज्यादा है। 16 साल में 18882 को डिपोर्ट हुए।

अमेरिका जाने वाले भारतीयों को झटका !

अब सीधा 2027 के लिए होंगे एच-1बी वीजा के इंटरव्यू

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनाइटेड स्टेट्स सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने 2027 H-1B कैप के लिए शुरुआती रजिस्ट्रेशन पीरियड की घोषणा की है। H-1B वीजा के लिए इंटरव्यू इस साल 2026 में 4 मार्च की दोपहर 12 बजे शुरू होंगे और 19 मार्च तक चलेंगे।

एजेंसी ने घोषणा की कि इस दौरान, संभावित H-1B कैप-सब्जेक्ट याचिकाकर्ताओं और प्रतिनिधियों को सेलेक्शन प्रोसेस के लिए हर लाभार्थी को इलेक्ट्रॉनिक रूप से रजिस्टर करने और हर रजिस्ट्रेशन के लिए 215 डॉलर की फीस का भुगतान करना होगा, जो कि USCIS ऑनलाइन अकाउंट पर भरी जाएगी। ये अमाउंट 20 हजार रुपये के करीब है।

H-1B वीजा प्रोग्राम कई कारणों से सुर्खियों में है। प्रशासन ने वीजा प्रोग्राम में बड़े बदलाव की योजनाओं की घोषणा की है जो कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मचारियों को हायर करने की अनुमति देता है।

यूएस के दो रिपब्लिकन राज्यों, फ्लोरिडा और टेक्सास ने राज्य की नौकरियों में H-1B हायरिंग पर बैन लगाने की घोषणा की है।

एजेंसी ने कहा, 'अगर आप H-1B पिटीशन दायर करने वाले ऐसे एम्प्लॉयर हैं जिनका USCIS ऑनलाइन अकाउंट नहीं है तो आपको एक ऑर्गनाइजेशनल अकाउंट बनाना होगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96